हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, रविवार 28 जून 2026

12 ग्रीष्मावकाश होमवर्क और प्रोजेक्ट पूरे करने में जुटे विद्यार्थी

12 चिलचिलाती गर्मी के बीच बालौर में बांटा मैंगो शेक

खबर संक्षेप

चैनत के ग्रामीणों का किया समर्थन

बहादुरगढ़। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के प्रदेश सचिव जयकरण मांडौठी तथा प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह मातनहेल ने कहा कि पिछले डेढ़ महीने से हांसी जिले के चैनत व आसपास के गांवों के लोग पीने के साफ पानी की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन सरकार अभी तक समस्या का कोई न्याय संगत समाधान नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा कि समाधान करने की बजाय सरकार चालाकी पूर्ण ढंग से आंदोलन को विफल करने पर ज्यादा जोर लगा रही है। पेयजल लाइन में पहले टी लगाना, बुजुर्गों का आमरण अनशन खत्म करवाना और अगले दिन यू टर्न लेते हुए टी उखड़वाना और मुकदमे दर्ज करवाना बड़ी साजिश का हिस्सा है। एआईकेकेएमएस ने चैनत व आसपास के गांवों के लोगों की पीने के साफ पानी की जायज व न्याय संगत मांग का समर्थन किया।

वार्ड-15 में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आज

बहादुरगढ़। वार्ड नंबर-15 के किला मोहल्ला स्थित शिव हनुमान मंदिर में पार्षद प्रीति भूपेंद्र राठी के सहयोग से रविवार 28 जून को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। हरदिल मिलाप सभा के संरक्षक रेवतीनंदन कठपालिया ने बताया कि प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा लोगों की आंखों की जांच की जाएगी।

सस्ते बैग के चक्कर में गंवाए एक लाख 2 हजार

बहादुरगढ़। इंस्टाग्राम पर सस्ते दाम में लेडीज बैग खरीदने का लालच एक परिवार को भारी पड़ गया। साइबर ठगों ने ऑफर का झांसा देकर गांव छुड़ानी निवासी एक परिवार से 1 लाख 2 हजार 19 रुपए की ठगी कर ली। मामले में पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव छुड़ानी निवासी सतपाल ने बताया कि 19 जून को उसके बड़े भाई की बेटी टीना ने इंस्टाग्राम पर लेडीज बैग का एक विज्ञापन देखा। विज्ञापन पर क्लिक करने के बाद उसकी व्हाट्सएप पर एक नंबर से संपर्क हुआ, जहां बैग की तस्वीरें और आकर्षक रेट भेजे गए। ठगों ने एक बैग 499, दो बैग 899 और तीन बैग 1,199 में देने के साथ एक बैग मुफ्त देने का दावा किया। ऑर्डर करने के लिए ठगों ने एक क्यूआर कोड (स्कैनर) भेजा, जिस पर टीना ने पहले 500 का भुगतान कर दिया।

निर्माण कार्यों की धीमी रफ्तार से नीमवाली कॉलोनी के लोग चिंतित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सिटी पल्स

शहर के माता गेट क्षेत्र स्थित नीमवाली कॉलोनी में चल रहे नाला, सीवरेज और पेयजल लाइन निर्माण कार्यों के बीच स्थानीय लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। कॉलोनीवासियों का कहना है कि बरसात का मौसम शुरू होने से पहले यदि निर्माण कार्य पूरे नहीं हुए तो लोगों को जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ेगा और आवागमन में भी परेशानी रहेगी। इस कॉलोनी में जहां करीब पौने दो करोड़ रुपये की लागत से नाला निर्माण किया जा रहा है वहीं नई सड़क के निर्माण से पहले सीवरेज व पेयजल सप्लाई लाइन बिछाने का काम गति पकड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात का मौसम आने वाला है, यदि समय रहते सभी कार्यों को पूरा नहीं किया गया तो मुश्किलें बढ़ सकती है। कॉलोनीवासी अंकुर, नितिन, मनीष, बबलू आदि ने बताया कि करीब दो माह से उनकी कॉलोनी की सड़क उखड़ी हुई है। पेयजल व सीवरेज लाइन बिछाए जाने के चलते रास्ता उखड़-खाबड़ हो गया है। ऐसे में दुपहिया वाहन चालकों को भी आवागमन में परेशानी आ रही है। अब ग्रीष्मकालीन अवकाश समाप्त होने को है जिसके बाद अगले माह से बच्चों का स्कूल जाना शुरू हो जाएगा। यदि समय रहते सड़क ठीक नहीं हुई तो बच्चों के चोटिल होने का खतरा रहेगा। लोगों ने कॉलोनी में दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत भी की है। उन्होंने कहा कि यदि इस माह के आखिर तक कार्य पूरा नहीं किया गया तो बरसात दिनों में जलभराव की समस्या रहेगी। उनकी कॉलोनी में पिछले कई वर्षों से बरसात के दौरान सड़कें व गली जलमग्न हो जाती है। यह समस्या बरसात के पूरे सीजन रहती है। इस कारण लोगों को दो से तीन फुट पानी से गुजरना पड़ता है। कॉलोनीवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि बरसात से पहले सभी निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को जलभराव और अन्य समस्याओं से राहत मिल सके।

झज्जर। नीमवाली कॉलोनी में चल रहे निर्माण कार्यों के दौरान उखड़ी सड़क।

कई स्थानों पर नाला निर्माण कार्य अधूरा

रिटायर्ड सूबेदार दीपक कुमार ने बताया कि नाला निर्माण के दौरान कई स्थानों पर कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है। कुछ हिस्सों को आपस में नहीं जोड़ा गया है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि नाले के जोड़ नहीं मिलाए गए तो पानी की निकासी प्रभावित होगी और ओवरफ्लो होकर सड़क पर बहने लगेगा।

मलबा उठान न होने से भी बनी परेशानी

कॉलोनीवासी नरेश राणा ने बताया कि पेयजल व सीवरेज लाइन बिछाए जाने के दौरान सड़क से उखाड़े गए पत्थरों को अन्यत्र नहीं डाला गया जिस कारण भी परेशानी बनी है। यदि सड़क से उखाड़े गए मलबे का उठान कर उसे समतल कर दिया जाए तो लोगों को आवागमन में राहत मिलेगी। हालांकि संबंधित ठेकेदारों द्वारा शीघ्र ही मलबा उठान का आश्वासन दिया गया है।

नरेश राणा।

नाला शुरू करने से पहले सफाई आवश्यक

अजीत सिंह ने बताया कि नाला निर्माण के बाद उसे पूरी तरह से कवर नहीं किया गया है। कई स्थानों पर ढक्कन नहीं है जिस कारण फिर से उसकी साफ-सफाई की जरुरत है। नाला शुरू किए जाने से पहले उसकी सफाई कराना आवश्यक है। खुले नाले के कारण बच्चे भी गिर कर चोटिल हो चुके हैं। यदि सफाई किए बगैर नाला कवर किया गया तो गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर फैल जाएगा।

अजीत सिंह।

भाजपा अध्यक्ष अर्चना गुप्ता का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत, बोलीं-

भाजपा झज्जर की चारों विस सीटें जीतने की रणनीति पर कर रही काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता का बहादुरगढ़ में पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत-अभिनंदन किया। जगह-जगह पुष्प वर्षा व ढोल नगाड़ों के साथ मंच पर पहुंची डॉ. अर्चना गुप्ता का राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, जिला प्रभारी कैप्टन भूपेंद्र सिंह, चेयरमैन कप्तान बिरधाना, दिनेश कौशिक, चेयरपर्सन सरोज राठी आदि ने स्वागत किया। डॉ. अर्चना गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि कार्यकर्ता ही भाजपा की वास्तविक ताकत हैं। वे जनता के बीच रहकर संगठन को मजबूत करते हैं और उनके अथक परिश्रम के कारण आज भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस परिवारवादी पार्टी है। राहुल गांधी भाजपा की आलोचना करते-करते देश की भी छवि धूमिल करने लगते हैं। जबकि भाजपा में वंशवाद नहीं, बल्कि कठोर परिश्रम और संगठन के प्रति समर्पण को महत्व दिया जाता है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आर्थिक, सामाजिक और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। उनके अनुसार भाजपा झज्जर जिले की चारों विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करने की रणनीति के साथ काम कर रही है। कार्यकर्ता मोदी और नायब सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने का माध्यम बने। ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि डॉ. अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में हरियाणा में संगठन अधिक मजबूत होगा तथा नारी शक्ति को नई दिशा व ऊर्जा मिलेगी। कार्यकर्ताओं की निष्ठा, अनुशासन और अथक परिश्रम के बल पर ही भाजपा लगातार राष्ट्र सेवा के अपने अभियान को आगे बढ़ा रही है। मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों का बखान करते हुए इसे सुशासन, विकास और आत्मनिर्भर भारत का स्वर्णिम काल बताया। मंच संचालन दिनेश शेखावत ने किया।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम के दौरान मंच पर खड़े भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी।

अनेक जगह हुआ स्वागत

बाईपास पर किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राम अहलावत, सैनी समाज के बैनर तले संजीव सैनी, ओबीसी मोर्चा की तरफ से धर्मबीर वर्मा, चेयरपर्सन सरोज राठी, झज्जर रोड पर श्याम वर्मा, सेक्टर-2 में दिनेश कौशिक, अग्रसेन धर्मशाला में अशोक गुप्ता के नेतृत्व में वैश्य समाज, रेलवे रोड पर चिराग पुरुथी की अगुवाई में पंजाबी समाज और करोड़ डीएवी संस्था की ओर से उनका स्वागत किया गया। उन्होंने छोटूराम धर्मशाला, शहीद स्मारक व ब्रिगेडियर होशियार सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। नरेश भारद्वाज और प्रदीप राठी के कार्यालय पर स्वागत के बाद गणपति धाम में कोबी के कार्यक्रम भी उन्होंने शिरकत की।

भाषण के बीच में हुआ अंधेरा

कार्यक्रम के दौरान जब भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता भाषण दे रही थी, तो अचानक लाइट चली गई। सभागार में अंधेरा छा गया और माइक बंद हो गया। लेकिन इसी बीच उन्होंने जय श्री राम का जयघोष किया तो कार्यकर्ता सहज हुए। फिर मंच से ओमप्रकाश धनखड़ ने मोबाइल की टॉर्च जलाकर स्वागत करने का आह्वान किया तो सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने अपने मोबाइल की फ्लैशलाइट ऑन कर दी। पूरे हॉल में रोशनी फैल गई। भारत माता की जय व भाजपा जिंदाबाद के नारे गूंजने लगे। हालांकि कुछ ही देर में बिजली आपूर्ति बहाल हो गई और कार्यक्रम सामान्य रूप से जारी रहा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर दिनेश गोयल, बिजेंद्र दलाल, राजपाल जांगड़ा, जिले सिंह सैनी, देवेंद्र कादयान, प्रदीप अहलावत, संजीव सैनी, नागेंद्र शर्मा, रवि बराही, संजय कबलाना, आनंद सागर, राजेश मकडौली, जयकिशन छिल्लर, सोमवती जाखड़, गीतांशु चावला, सुनीता चौहान आदि मौजूद रहे।

एसडीएम ने नालों की सफाई का लिया जायजा

बहादुरगढ़। राव तुलाराम चौक पर नालों की सफाई का जायजा लेते एसडीएम।

- मानसून से पहले अलर्ट मोड में प्रशासन : अभिनव सिवाच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

मानसून की दस्तक से पहले शहर में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। इसी क्रम में शनिवार को एसडीएम अभिनव सिवाच स्वयं फील्ड में उतरे और शहर के राव तुलाराम चौक पर नगर परिषद द्वारा चलाए जा रहे नालों की सफाई अभियान का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर सफाई कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम अभिनव सिवाच ने कहा कि हरियाणा सरकार के निर्देशों के अनुरूप 30 जून तक शहर के सभी बड़े और छोटे नालों की सफाई हर हाल में पूरी की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि बरसात शुरू होने से पहले नालों की सफाई पूरी होना बेहद जरूरी है, ताकि जल निकासी सुचारु बनी रहे और शहरवासियों को जलभराव जैसी समस्या का सामना न करना पड़े। एसडीएम ने अधिकारियों से कहा कि केवल खानापूर्ति के लिए सफाई नहीं होनी चाहिए, बल्कि नालों में जमा गाद, प्लास्टिक, कचरा और अन्य अवरोधों को पूरी तरह हटाया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि नालों से निकाली गई गाद और कचरे को लंबे समय तक सड़क किनारे न छोड़ा जाए, बल्कि उसका तत्काल उठान सुनिश्चित किया जाए, ताकि वह दोबारा नालों में न पहुंचे और आम लोगों को भी परेशानी न हो। उन्होंने नगर परिषद के अधिकारियों से शहर के संवेदनशील और जलभराव वाले क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने के लिए भी कहा। जिन स्थानों पर हर वर्ष बारिश के दौरान पानी भरने की शिकायतें आती हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर सफाई और जल निकासी की व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद रमन यादव, नगर परिषद के सफाई निरीक्षक सुनील हुड्डा सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में ईंट भट्ठा श्रमिक की मौत

झज्जर। क्षेत्र के गांव गोयला कलां स्थित एक ईंट भट्ठा पर कार्यरत श्रमिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान बिहार के समस्तीपुर जिला निवासी करीब 66 वर्षीय मानिक सदा पुत्र नीरस सदा के तौर पर हुई है। मानिक सदा भट्ठे पर ईंट पथाई का कार्य करता था। शुक्रवार को काम करते समय अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद मानिक सदा को उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के उपरांत पुलिस ने मृतक का शव अस्पताल के शवगृह भिजवाया। मामले के जांच अधिकारी रणजीत ने बताया कि शनिवार को मृतक की पत्नी श्याम देवी के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

झज्जर। पोस्टमार्टम के लिए कार्रवाई करते पुलिसकर्मी।

खाने में छिपकली मिलने से चार की तबीयत बिगड़ी

झज्जर। शहर की जयहिंद कॉलोनी में दूषित भोजन खाने से एक ही परिवार के तीन बच्चों और एक बुजुर्ग महिला की तबीयत बिगड़ गई। सभी को उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत में सुधार होने पर छुट्टी दे दी गई। जानकारी के अनुसार जयहिंद कॉलोनी में रहने वाले प्रवासी युवक राजीव अपने परिवार के साथ किराए के मकान में रहता है। शुक्रवार रात राजीव की पत्नी ने परिवार के सदस्यों को भोजन परोसा। भोजन करने वालों में छह वर्षीय अंजली, करण, 15 वर्षीय जीतू तथा उनकी दादी प्रेमलता शामिल थीं। परिजनों के अनुसार बच्चों और बुजुर्ग महिला को भोजन कराने के बाद जब राजीव और उसकी पत्नी ने स्वयं खाना खाने के लिए भोजन परोसा तो उसमें एक छिपकली दिखाई दी। इसके बाद उन्होंने खाना तुरंत बाहर फेंक दिया। कुछ समय बाद भोजन कर चुके बच्चों और बुजुर्ग महिला की तबीयत खराब होने लगी। परिजन उन्हें उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार किया।

भीषण गर्मी और बिजली कटों ने बढ़ाई लोगों की परेशानी, दोपहर में सड़कों पर पसरा सन्नाटा

दिनभर सूर्य देव के तेवर रहे तल्ख, जनजीवन प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शनिवार को सूर्य देव के तेवर पूरे दिन तल्ख रहे। भीषण गर्मी और उमस के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को बेहाल कर दिया, जबकि दोपहर के समय तापमान बढ़ने से सड़कों और बाजारों में सन्नाटा पसरा दिखाई दिया। गर्मी से बचने के लिए लोग घरों में दुबकने पर मजबूर रहे। वहीं दूसरी ओर, बिजली कटों ने लोगों की परेशानियों को और बढ़ा दिया। शहर में कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण भी लोगों को काफी परेशानी हुई। लोगों का कहना है कि एक तरफ भीषण गर्मी से हाल बेहाल है और दूसरी ओर बिजली कटों ने परेशानी को बढ़ा दिया है।

मानसून को लेकर प्रशासन अलर्ट, फील्ड में उतरे अधिकारी, लिया जायजा

झज्जर। केसीबी ड्रेन का निरीक्षण करते एसडीएम विशाल कुमार।

झज्जर। आगामी बरसाती सीजन के मद्देनजर जिले में जलभराव की स्थिति से बचाव तथा नालों, ड्रेन एवं सीवरेज व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने व्यापक निरीक्षण अभियान शुरू किया है, इसके लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। अधिकारी अपने निर्धारित क्षेत्रों में इस कार्य के लिए जवाबदेह भी होंगें। डीसी वर्षा खांगवाल ने आदेश जारी कर विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों को उनके अधिकार क्षेत्र में तकनीकी टीमों एवं वन विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त निरीक्षण की जिम्मेदारी सौंपी है। डीसी ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार मानसून सीजन में जलभराव संबंधी समस्या न आए, इसके लिए अधिकारियों द्वारा निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान नालों, ड्रेन और सीवरेज सिस्टम की सफाई, जल निकासी की स्थिति, संभावित अवरोधों तथा आवश्यक सुधार कार्यों का विस्तृत आकलन किया जाएगा।

GANGA INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND MANAGEMENT
AN AUTONOMOUS INSTITUTE
Approved by AICTE | Affiliated to MDU, Rohtak
JHAJJAR (DELHI-NCR)
NAAC A GRADE
NBA ACCREDITED BY: B.TECH ME, ECE and MBA
Industry Oriented Curriculum
Degree Conferred by MDU, Rohtak
GITAM is among the BEST ENGINEERING INSTITUTES OF THE COUNTRY !
RANKED #16 In North India | RANKED #38 Pvt. Institutes in India | RANKED #39 Across India | RANKED #46 Placement Across India
Times Engineering Institute Ranking Survey-2026
Ganga Centre for Skill and Entrepreneurship Development (An Industry Inside the Institute)
Technology Providers: Dassault Systemes, ptc, Mastercam, Ansys
Rs. 40 Crores
ADMISSIONS OPEN 2026-27
B.TECH, B.TECH (LEET): Fire Technology and Safety, CSE, CSE (AI & ML), CSE (DS), ECE, Electrical, Civil, Mechanical
OTHER UG & PG COURSES: M.TECH | MBA | BBA | MCA | BCA | M.ARCH | B.ARCH | M.PLAN | M.ED | B.ED
COURSES FOR WORKING PROFESSIONALS (in Flexible Timings): B.TECH Fire Tech. & Safety / CSE / Electrical / Civil; M.TECH CSE / Structural Design; MBA | MCA
MEGA JOB FAIR 11th July, 2026 Register For more details Call: 8684000389 /906
SCHOLARSHIP TEST GITAM SCHOLARSHIP-CUM-ADMISSION TEST 19th July, 2026 11:00 am Onwards FREE REGISTRATION FOR TEST
GANGA INSTITUTE OF ARCHITECTURE & TOWN PLANNING (GIATP) 9654292905 / 9015115120 | www.architectureganga.com
GANGA INSTITUTE OF EDUCATION (GIE) 8684000916 | www.gangainstituteofeducation.com
Admission Enquiry 8684000891 / 892 / 893 / 906 / 9654292946 | www.gangainstitute.com

मुंबई-दिल्ली नहीं, बल्कि छोटे शहर भी बन रहे हैं निवेश के हब

40% से अधिक नए एसआईपी टियर-2, 3 और 4 शहरों से, पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट में दावा : हर महीने 3 अरब डॉलर का निवेश अगले दशक में 1.5 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति का हस्तांतरण, भारतीय बाजारों को मिलेगा बड़ा फायदा, निवेशक भी होंगे मालामाल

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

भारत में निवेश का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। अब केवल महानगर ही नहीं, बल्कि टियर-2, टियर-3 और टियर-4 शहर भी निवेश वृद्धि के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। प्राइसवाटरहाउसकूपर्स (पीडब्ल्यूसी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश में शुरू होने वाले 40 फीसदी से अधिक नए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) छोटे शहरों से आ रहे हैं। मासिक एसआईपी निवेश 3 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जो भारतीय शेयर बाजार को स्थिर और दीर्घकालिक पूंजी उपलब्ध करा रहा है। भारतीय निवेश बाजार में छोटे शहरों की भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय बाजारों को खुदरा निवेशकों और हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एचएनआई) दोनों वर्गों की बढ़ती भागीदारी का लाभ मिलेगा। भारत में वर्तमान में हर महीने करीब 3 अरब डॉलर का एसआईपी निवेश आ रहा है। पीडब्ल्यूसी ने इसे प्राइस इंसेंसिटिव इक्विटी फ्लो बताया है, क्योंकि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशक नियमित निवेश जारी रखे हुए हैं। इससे शेयर बाजार को स्थिर और दीर्घकालिक पूंजी मिल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि घरेलू निवेशकों की बढ़ती ताकत भारतीय बाजार को वैश्विक अनिश्चितताओं से बचाने में भी मदद कर रही है। देश में डिजिटल क्रांति ने निवेश के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां निवेश की सुविधा मुख्य रूप से बड़े शहरों तक सीमित थी, वहीं अब मोबाइल ऐप, ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल केवाईसी जैसी सुविधाओं ने छोटे शहरों के लोगों को भी बाजार से जोड़ दिया है। यही वजह है कि अब निवेश का नया केंद्र छोटे शहर और कस्बे बनते जा रहे हैं।

क्या कहता है अनुमान

रिपोर्ट के अनुसार अगले 10 वर्षों में भारत में 1.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की संपत्ति एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित होगी। इस वेल्थ ट्रांसफर का बड़ा हिस्सा वित्तीय उत्पादों, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और वेल्थ मैनेजमेंट सेवाओं की ओर जा सकता है। पीडब्ल्यूसी का अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत में एचएनआई आबादी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे तेज गति से बढ़ेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संपत्ति हस्तांतरण भारतीय वित्तीय क्षेत्र के लिए एक बड़ा अवसर साबित होगा। नई पीढ़ी पारंपरिक निवेश साधनों की तुलना में शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड और अन्य आधुनिक वित्तीय उत्पादों में अधिक रुचि

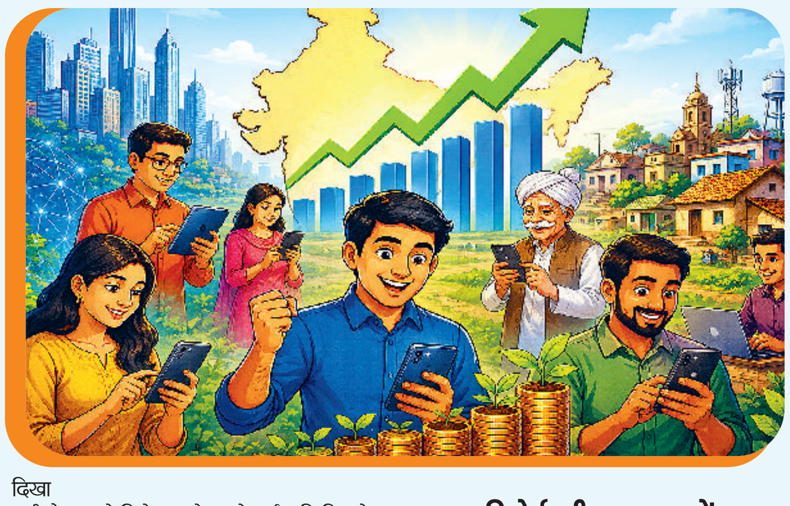

दिखा रही है। इससे निवेश उद्योग को नई गति मिलने की संभावना है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को भी रिपोर्ट में निवेश वृद्धि का प्रमुख आधार बताया गया है। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, मोबाइल-फर्स्ट निवेशक वर्ग और एआई आधारित वित्तीय सेवाओं ने निवेश को आसान और सुलभ बनाया है। यही कारण है कि छोटे शहरों से निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

रिपोर्ट की प्रमुख बातें

- 40% से अधिक नए एसआईपी टियर-2, 3 और 4 शहरों से।
- हर महीने करीब 3 अरब डॉलर का एसआईपी निवेश।
- अगले 10 वर्षों में 1.5 ट्रिलियन डॉलर की पीढ़ीगत संपत्ति हस्तांतरण की संभावना।
- 2030 तक भारत में हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल आबादी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे तेज गति से बढ़ने का अनुमान।
- भारत वैश्विक निवेशकों और भारतीय पूंजी के लिए दोतरफा निवेश गलियारा बन रहा है।

छोटे शहरों से क्यों बढ़ रहा निवेश

- इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुंच में तेजी
- डिजिटल भुगतान प्रणाली का विस्तार
- म्यूचुअल फंड कंपनियों की बढ़ती पहुंच
- युवाओं में निवेश के प्रति जागरूकता
- वित्तीय शिक्षा और निवेश अभियानों का असर
- डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बना ताकत

क्या कहती है रिपोर्ट

रिपोर्ट के अनुसार भारत का मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, बड़ी एआई इंजीनियरिंग प्रतिभा, मोबाइल-फर्स्ट निवेशक वर्ग और नवाचार आधारित वित्तीय प्रणाली उसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों से आगे खड़ा करती है। देश में मौजूद विशाल डिजिटल नेटवर्क निवेशकों को कम लागत और कम समय में वित्तीय सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। जीआईएफटी सिटी के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय निवेश अवसरों को भी महत्वपूर्ण बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार यह भारत के लिए एक समयबद्ध अवसर है, जो देश को वैश्विक वित्तीय सेवाओं के केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद कर सकता है।

एशिया-प्रशांत में भारत की बढ़त

पीडब्ल्यूसी का अनुमान है कि 2026 से 2030 के बीच एशिया-प्रशांत क्षेत्र का एसेट और वेल्थ मैनेजमेंट बाजार 6.8 फीसदी की वार्षिक दर से बढ़ेगा। यह उत्तर अमेरिका के 6.2 फीसदी और यूरोप के 5.6 फीसदी की तुलना में अधिक है। भारत इस वृद्धि का प्रमुख लाभार्थी बन सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत आर्थिक विकास, युवा आबादी और बढ़ती आय भारत को निवेश के लिए सबसे आकर्षक बाजारों में शामिल कर रही है।

निवेश के उभरते अवसर

म्यूचुअल फंड, पैसिव फंड, शेयर बाजार, वैकल्पिक निवेश, प्राइवेट क्रेडिट, वेल्थ मैनेजमेंट सेवाएं, वैकल्पिक निवेश में बड़ा अवसर

निवेशकों के लिए संकेत

विशेषज्ञों का मानना है कि छोटे शहरों से बढ़ती निवेश भागीदारी बाजारों को अधिक गहराई और स्थिरता प्रदान करेगी। बढ़ती वित्तीय जागरूकता, डिजिटल पहुंच और लंबी अवधि की निवेश संस्कृति आने वाले वर्षों में भारतीय पूंजी बाजारों की सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। यदि मौजूदा रुझान जारी रहता है तो भारत वैश्विक निवेश मानचित्र पर और अधिक मजबूत स्थिति में दिखाई देगा और घरेलू निवेशक इसकी सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरेंगे।

निवेश विशेषज्ञ अब दे रहे सोने से दूर रहने की सलाह

सुझाव

बिजनेस डेस्क

पिछले कुछ वर्षों में सोने ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और डॉलर पर घटते भरोसे जैसे कारणों से सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। लेकिन अब एक ऐसे निवेश विशेषज्ञ, जिनकी पिछली कई भविष्यवाणियां सही साबित हुई हैं, निवेशकों को सोने से दूरी बनाने की सलाह दे रहे हैं। मौजूदा स्तर पर सोना आकर्षक निवेश नहीं रह गया है। उनके अनुसार इक्विटी और डेट मार्केट फिलहाल निवेशकों के लिए बेहतर अवसर प्रदान कर रहे हैं। नवंबर 2023 में जब निवेशकों का भरोसा सोने पर कमजोर था और बाजार में नकारात्मक माहौल था, तब बुलियन में निवेश की जोरदार पैरवी की थी। बाद में चांदी की कीमतों को लेकर भी उनकी चेतावनी काफी हद तक सही साबित हुई। अब उनका कहना है कि जो परिस्थितियां पहले सोने के पक्ष में थीं, वे काफी हद तक बदल चुकी हैं। इसलिए नए निवेश के लिए सोना उनकी प्राथमिकता नहीं है।

ईटीएफ निवेश ने बढ़ाई कीमतें

हाल की तेजी में केवल केंद्रीय बैंकों की खरीदारी ही नहीं, बल्कि गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में आए बड़े निवेश का भी योगदान रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब किसी एसेट में अत्यधिक उत्साह पैदा हो जाता है, तो उसके रिटर्न की संभावनाएं धीरे-धीरे कम होने लगती हैं।

इक्विटी में दिख रहा बेहतर मूल्यांकन

भारतीय शेयर बाजार में 2024 के दौरान वैल्यूएशन काफी महंगे हो गए थे। लेकिन बाद की गिरावट और करेक्शन के बाद अब कई सेक्टर और कंपनियां अधिक उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं। उनके अनुसार अगले 3 से 5 वर्षों में इक्विटी बाजार सोने की तुलना में बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखता है। खासकर लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह अवसर महत्वपूर्ण हो सकता है। भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत विकास दर, बढ़ता घरेलू निवेश और कॉरपोरेट आय में सुधार की संभावनाएं इक्विटी बाजार के पक्ष में नजर आती हैं। यही वजह है कि कई फंड मैनेजर अब सोने की बजाय शेयर बाजार को प्राथमिकता दे रहे हैं।

बेहतर यील्ड का फायदा

विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान समय में डेट मार्केट भी निवेशकों को आकर्षक अवसर प्रदान कर रहा है। ब्याज दरों और बॉन्ड यील्ड के मौजूदा स्तर कई निवेशकों के लिए अच्छा जोखिम-रिटर्न संतुलन पेश कर रहे हैं। डेट निवेश उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकता है जो नियमित आय, अपेक्षाकृत कम जोखिम और पोर्टफोलियो में स्थिरता चाहते हैं।

10 लाख हों तो क्या करें?

यदि किसी निवेशक के पास 10 लाख रुपये निवेश के लिए उपलब्ध हैं, तो फिलहाल सोने में अतिरिक्त निवेश से बचना बेहतर हो सकता है। इसके बजाय राशि को इक्विटी और डेट निवेश के बीच संतुलित रूप से बांटना अधिक उपयुक्त रणनीति हो सकती है। हालांकि निवेश का अनुपात प्रत्येक व्यक्ति की उम्र, जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि के अनुसार अलग-अलग हो सकता है।

क्या सोने को पूरी तरह छोड़ देना चाहिए?

यह समझना जरूरी है कि किसी विशेषज्ञ द्वारा सोने को कम आकर्षक बताने का अर्थ यह नहीं है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो से सोना पूरी तरह हटा दें। वित्तीय योजनाकार आमतौर पर कुल पोर्टफोलियो का 5% से 10% हिस्सा सोने में रखने की सलाह देते हैं ताकि विविधीकरण बना रहे। सोना अब भी भू-राजनीतिक संकट, मुद्रास्फीति और बाजार की अनिश्चितता के समय सुरक्षा कवच का काम कर सकता है। लेकिन वर्तमान मूल्य स्तरों पर असाधारण रिटर्न की उम्मीद करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

क्यों बदल गया सोने का निवेश समीकरण?

पहले वैल्यूएशन आकर्षक था : विशेषज्ञों के अनुसार कुछ साल पहले सोना अपेक्षाकृत कम कीमतों पर उपलब्ध था। उस समय डी-डॉलराइजेशन, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और वैश्विक आर्थिक चिंताओं जैसे कारक सोने के लिए मजबूत आधार तैयार कर रहे थे। हालांकि आज स्थिति अलग है। पिछले वर्षों की तेज बढ़त के बाद सोने की कीमतों में काफी वृद्धि हो चुकी है और निवेशकों का उत्साह भी चरम पर पहुंच गया है। ऐसे माहौल में आगे की तेजी की संभावना सीमित हो सकती है।

नॉर्मल, फिक्स्ड टॉप-अप और वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी

● छोटी बढ़ोतरी से करोड़ों का बन सकता है अतिरिक्त फंड ● 25 साल में रिटर्न का बड़ा अंतर, आय बढ़ने के साथ एसआईपी बढ़ाना जरूरी ● 10 हजार रुपये की मासिक एसआईपी पर वैरिएबल टॉप-अप से बन सकता है 4.46 करोड़ तक का फंड

म्यूचुअल फंड में निवेश का सबसे लोकप्रिय और आसान तरीका सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) माना जाता है। छोटी-छोटी रकम को नियमित रूप से निवेश कर लंबे समय में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। यही कारण है कि बीते कुछ वर्षों में एसआईपीनि वेशकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि केवल एसआईपी शुरू करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय के साथ निवेश राशि को बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बढ़ती आय के साथ यदि एसआईपी राशि भी बढ़ाई जाए तो लंबी अवधि में रिटर्न कई गुना बढ़ सकता है। निवेशकों के लिए सामान्य तौर पर तीन प्रकार की एसआईपी रणनीतियां उपलब्ध हैं। इनमें नॉर्मल एसआईपी , फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी और वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी शामिल हैं। तीनों का उद्देश्य नियमित निवेश करना है, लेकिन निवेश राशि बढ़ाने के तरीके और अंतिम फंड में काफी अंतर देखने को मिलता है।

क्या है नॉर्मल एसआईपी

नॉर्मल एसआईपी सबसे सामान्य और पारंपरिक निवेश विकल्प है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय राशि म्यूचुअल फंड में निवेश करता है और पूरी अवधि के दौरान यह राशि समान रहती है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति ने 10,000 रुपये मासिक एसआईपी शुरू की है तो अगले वर्ष और उसके बाद भी वह हर महीने 10,000 रुपये ही निवेश करेगा। नॉर्मल एसआईपी उन लोगों के लिए उपयुक्त मानी जाती है जो निवेश में सरलता चाहते हैं और अपनी मासिक बचत को एक निश्चित सीमा में रखना पसंद करते हैं। हालांकि इसमें एक कमी यह है कि आय बढ़ने के बावजूद निवेश राशि नहीं बढ़ती, जिससे लंबी अवधि में संभावित फंड का आकार सीमित रह सकता है।

जानकारी

बिजनेस डेस्क

नॉर्मल एसआईपी की विशेषताएं

■ हर महीने एक निश्चित राशि का निवेश ■ निवेश प्रक्रिया सरल और आसान ■ बजट प्रबंधन में सुविधा ■ नए निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प ■ आय बढ़ने का पूरा लाभ निवेश में नहीं जुड़ता

क्या है फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी

फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी उन निवेशकों के लिए बनाई गई है जो अपनी एसआईपी राशि को समय-समय पर बढ़ाना चाहते हैं। इसमें निवेशक हर वर्ष अपनी मासिक एसआईपी में एक निश्चित रकम जोड़ता है। यह बढ़ोतरी पहले से तय होती है और हर साल समान रहती है। उदाहरण के तौर पर यदि कोई निवेशक 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करता है और हर साल 1,000 रुपये का टॉप-अप चुनता है, तो अगले साल उसकी एसआईपी 11,000 रुपये, फिर 12,000 रुपये और उसके बाद 13,000 रुपये हो जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार यह विकल्प उन वेतनभोगी लोगों के लिए अच्छा है जिन्हें हर साल नियमित वेतन वृद्धि मिलती है। इससे आय बढ़ने के साथ निवेश भी बढ़ता रहता है और लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार करने में मदद मिलती है।

फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी के फायदे

■ हर साल निवेश राशि में बढ़ोतरी ■ वेतन वृद्धि का लाभ निवेश में शामिल ■ लंबी अवधि में अधिक संपत्ति निर्माण ■ निवेश योजना पहले से तय रहती है ■ वित्तीय लक्ष्यों को तेजी से हासिल करने में मदद

क्या है वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी

वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी सबसे उन्नत और आक्रामक एसआईपी रणनीति मानी जाती है। इसमें निवेशक हर साल अपनी एसआईपी राशि को एक निश्चित प्रतिशत के आधार पर बढ़ाता है। यह प्रतिशत 5, 10 या 15 फीसदी हो सकता है। मान लीजिए किसी निवेशक ने 10,000 रुपये की मासिक एसआईपी शुरू की और 10 फीसदी वार्षिक टॉप-अप चुना। ऐसे में अगले साल उसकी एसआईपी 11,000 रुपये होगी। दूसरे साल यह 12,100 रुपये और तीसरे साल 13,310 रुपये तक पहुंच जाएगी। यानी हर साल बढ़ी हुई राशि पर भी वृद्धि का लाभ मिलता है।

वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी बेहतर क्यों

■ प्रतिशत आधारित वृद्धि ■ बढ़ी हुई राशि पर भी कंपाउंडिंग का लाभ ■ लंबी अवधि में सबसे अधिक फंड बनने की संभावना ■ बढ़ती आय वाले युवाओं के लिए उपयुक्त ■ महंगाई के प्रभाव को संतुलित करने में मदद

25 साल में कितना बन सकता है फंड

यदि कोई निवेशक 25 वर्षों तक हर महीने 10,000 रुपये से निवेश शुरू करता है तो तीनों एसआईपी विकल्पों में अंतिम फंड का आकार काफी अलग हो सकता है।

एसआईपी	कुल निवेश	
नॉर्मल	30 लाख रु.	2.27 करोड़ रु.
फिक्स्ड टॉप-अप	66 लाख रु.	3.44 करोड़ रु.
वैरिएबल	1.18 करोड़ रु	4.46 करोड़ रु

निवेशकों के लिए सही विकल्प क्या

सही एसआईपी रणनीति का चुनाव निवेशक की आय, वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम लेने की क्षमता पर निर्भर करता है। यदि किसी व्यक्ति की आय सीमित है और वह निवेश को सरल रखना चाहता है तो नॉर्मल एसआईपी बेहतर विकल्प हो सकती है। वहीं जिन लोगों की आय हर साल बढ़ती है, उनके लिए फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी अधिक फायदेमंद साबित हो सकती है। दूसरी ओर युवा निवेशक, पेशेवर और तेजी से बढ़ती आय वाले लोग वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में बड़ा कोष तैयार कर सकते हैं।

अलर्ट सही अवधि का चुनाव बढ़ा सकता है रिटर्न, सुरक्षित होगा भविष्य, ब्याज दर के साथ निवेश अवधि और वित्तीय लक्ष्य भी हैं अहम

सही एफडी का चुनाव बढ़ा सकता है आपकी कमाई और बचत

1, 3 या 5 साल... किस फिक्स्ड डिपॉजिट में मिलेगा ज्यादा मुनाफा? ब्याज दर, टैक्स और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रख करें निवेश

समझदारी

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार की उठापटक के बीच यदि कोई निवेश विकल्प आज भी सबसे भरोसेमंद माना जाता है तो वह है फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)। पूंजी की सुरक्षा और पहले से तय रिटर्न के कारण एफडी आज भी लाखों निवेशकों की पहली पसंद बनी हुई है। खासकर नौकरीपेशा, वरिष्ठ नागरिक और जोखिम से बचने वाले निवेशक एफडी को सुरक्षित निवेश मानते हैं। हालांकि एफडी में निवेश करते समय सबसे बड़ा सवाल यह होता है कि 1 साल, 3 साल या 5 साल में से किस अवधि की एफडी सबसे अधिक लाभ देगी।

इसका जवाब केवल ब्याज दरों में नहीं छिपा है। सही एफडी का चुनाव आपकी वित्तीय जरूरत, निवेश की अवधि, ब्याज दरों के रुझान और टैक्स प्लानिंग पर निर्भर करता है। वर्तमान में विभिन्न सरकारी, निजी और स्मॉल फाइनेंस बैंक अलग-अलग अवधि पर अलग ब्याज दरें दे रहे हैं। ऐसे में निवेश करने से पहले इनकी तुलना करना जरूरी हो जाता है।

1 साल की एफडी : कम समय के लिए बेहतर विकल्प

अगर आप अपना पैसा लंबे समय तक लॉक नहीं करना चाहते या निकट भविष्य में पैसों की जरूरत पड़ सकती है, तो 1 साल की एफडी आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकती है। इस अवधि की एफडी में निवेशक को यह सुविधा मिलती है कि मैच्योरिटी के बाद वह उस समय की नई ब्याज दरों के अनुसार दोबारा निवेश कर सकता है। यदि भविष्य में ब्याज दरें बढ़ती हैं तो इसका फायदा भी आसानी से उठाया जा सकता है। वर्तमान में स्मॉल फाइनेंस बैंक इस अवधि में सबसे अधिक ब्याज दे रहे हैं। सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक और उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक 1 साल की एफडी पर 7.25 प्रतिशत तक ब्याज दे रहे हैं, जबकि इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.10 प्रतिशत की दर ऑफर कर रहा है। निजी बैंकों में यस बैंक 6.65 प्रतिशत, जबकि आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक 6.25 प्रतिशत ब्याज दे रहे हैं। सरकारी बैंकों में एसबीआई 6.25 प्रतिशत और बैंक ऑफ इंडिया 6.50 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है।

3 साल की एफडी : रिटर्न व अवधि का बेहतरीन संतुलन

जो निवेशक मध्यम अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं और बिना बहुत लंबा इंतजार किए अच्छा रिटर्न पाना चाहते हैं, उनके लिए 3 साल की एफडी आकर्षक विकल्प मानी जाती है। इस अवधि में कई बैंक 1 साल की तुलना में अधिक ब्याज दे रहे हैं। जन स्मॉल फाइनेंस बैंक, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक और शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक 3 साल की एफडी पर 7.50 प्रतिशत तक ब्याज की पेशकश कर रहे हैं। वहीं आईडीएफसी फर्स्ट बैंक 7.35 प्रतिशत ब्याज दे रहा है। अगर सरकारी योजनाओं की बात करें तो पोस्ट ऑफिस की 3 वर्षीय टाइम डिपॉजिट योजना पर 7.10 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक 6.45 प्रतिशत, जबकि एसबीआई 6.30 प्रतिशत ब्याज दर की पेशकश कर रहा है।

5 साल की एफडी : टैक्स बचत

यदि आपका उद्देश्य लंबी अवधि का निवेश करना है और साथ ही आयकर में बचत भी करनी है तो 5 साल की टैक्स-सेवर एफडी सबसे उपयुक्त विकल्प हो सकती है। आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत इस एफडी में निवेश करने पर सालाना 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स कटौती का लाभ लिया जा सकता है। 5 साल की अवधि में भी स्मॉल फाइनेंस बैंक सबसे अधिक ब्याज दे रहे हैं। सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.90 प्रतिशत, जन स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.77 प्रतिशत और डीसीबी बैंक 7.50 प्रतिशत तक ब्याज दे रहे हैं। बड़े निजी बैंकों में आईसीआईसीआई बैंक 6.50% और एचडीएफसी बैंक 6.40% ब्याज की पेशकश कर रहे हैं। वहीं सरकारी बैंकों में एसबीआई 6.05 प्रतिशत, बैंक ऑफ इंडिया 6 प्रतिशत और पंजाब नेशनल बैंक 5.95 प्रतिशत ब्याज दे रहा है।

सीनियर सिटीजन को अतिरिक्त फायदा

लगभग सभी बैंक वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में 0.25 से 0.75 प्रतिशत तक अतिरिक्त ब्याज देते हैं। कई बैंक सुपर सीनियर सिटीजन के लिए भी विशेष ब्याज दरें लागू करते हैं। इसलिए वरिष्ठ नागरिकों को निवेश से पहले बैंक की विशेष एफडी योजनाओं की जानकारी अवश्य लेनी चाहिए।

सिर्फ ब्याज दर देखकर फैसला न करें

निवेश विशेषज्ञों का मानना है कि एफडी चुनते समय केवल सबसे अधिक ब्याज दर पर ध्यान देना सही रणनीति नहीं है। बैंक की विश्वसनीयता, जमा राशि की सुरक्षा, समय से पहले निकासी के नियम, ब्याज भुगतान का विकल्प और आपकी वित्तीय जरूरत भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। यदि निवेश की अवधि कम है तो 1 साल की एफडी बेहतर हो सकती है, जबकि मध्यम अवधि के लक्ष्य के लिए 3 साल और टैक्स बचत व लंबी अवधि के लिए 5 साल की एफडी अधिक उपयोगी साबित हो सकती है।

किसके लिए कौन-सी एफडी?

1 साल की एफडी

- कम अवधि का निवेश
- पैसों की जल्द जरूरत होने की संभावना
- ब्याज दर बढ़ने पर दोबारा निवेश का अवसर

3 साल की एफडी

- बेहतर रिटर्न और संतुलित अवधि
- मध्यम अवधि के वित्तीय लक्ष्य
- जोखिम कम, रिटर्न अपेक्षाकृत बेहतर

5 साल की एफडी

- लंबी अवधि का सुरक्षित निवेश
- धारा 80सी के तहत टैक्स बचत
- भविष्य के बड़े वित्तीय लक्ष्यों के लिए उपयुक्त

निवेश टिप्स

- निवेश का उद्देश्य और अवधि पहले तय करें।
- विभिन्न बैंकों की ब्याज दरों की तुलना करें।
- केवल अधिक ब्याज के बजाय बैंक की विश्वसनीयता भी देखें।
- टैक्स बचत चाहिए तो 5 साल की टैक्स-सेवर एफडी चुनें।
- वरिष्ठ नागरिक अतिरिक्त ब्याज दर का लाभ अवश्य लें।
- मैच्योरिटी के बाद राशि का पुनर्निवेश करने की योजना पहले से बनाएं।

खबर संक्षेप

महर्षि दुर्वासा तीर्थ स्थल पर हवन एवं भंडारा कल

झज्जर। क्षेत्र के गांव दूबलधन स्थित महर्षि दुर्वासा तीर्थ स्थल सोमवार को हवन व विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। महर्षि दुर्वासा विकास सेवा समिति व ग्राम पंचायत द्वारा दूबलधन द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजन की शुभारंभ प्रातः सवा चार बजे पवित्र तीर्थ स्नान से होगा। इसके बाद सुबह सवा आठ बजे यज्ञ तथा सवा दस बजे विशाल भंडारे का का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सैंकड़ों श्रद्धालु शिरकत करेंगे।

साइबर ठगी के दो आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने बैंक कर्मी बनकर 2.29 लाख से अधिक की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों को कोर्ट में पेश किया। कलानौर निवासी जगपाल ने शिकायत में बताया कि 8 जनवरी को मोबाइल पर एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को योनो बैंक का मैनेजर बताया। आरोपी ने योनो ऐप में समस्या की बात कहकर व्हाट्सएप पर फॉर्म भेजा। खाते की जानकारी हासिल कर अलग-अलग ट्रांजैक्शन से खाते से कुल 2,29,660 निकाल लिए। जांच पीएसआई अनिल ने की। जांच के दौरान 23 जून को बिहार निवासी अमरनाथ और बंगाल निवासी सुभेन्दु को गिरफ्तार किया गया।

17 लाख की ठगी के पांच आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। साइबर थाना पुलिस ने कंपनी मालिक की फर्जी व्हाट्सएप प्रोफाइल बनाकर 17 लाख रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया गया है। बसंत विहार निवासी दिनेश की शिकायत पर साइबर थाने में मामला दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया कि 8 जनवरी को आरोपियों ने कंपनी के मालिक की फर्जी व्हाट्सएप प्रोफाइल बनाकर कंपनी के मैनेजर को संदेश भेजा। संदेश में खुद को मीटिंग में व्यस्त बताते हुए तत्काल 17 लाख रुपये एक बैंक खाते में ट्रांसफर करने के निर्देश दिए गए। मैनेजर ने इसे कंपनी मालिक का आदेश समझकर बताए गए खाते में 17 लाख रुपये भेज दिए। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक अजय ने की। जांच के दौरान 16 जून को महाराष्ट्र निवासी राहुल और राजहंस को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद 21 जून को पश्चिम बंगाल के सुभेन्दु तथा कोलकाता निवासी राहुल, आदित्य और सुमित को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

तीन ट्रैक्टरों की बैटरियां चोरी, अज्ञात पर केस दर्ज

रोहतक। लाखन माजरा थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने तीन ट्रैक्टरों की बैटरियां चोरी कर लीं। इस संबंध में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, खरक जाटान निवासी नरेंद्र पुत्र बलजीत ने शिकायत दी कि उसके तीनों ट्रैक्टर घर के बाहर गली में खड़े थे। रात के दौरान अज्ञात चोर तीनों ट्रैक्टरों की बैटरियां चोरी कर फरार हो गए। सुबह घटना का पता चलने पर उसने पुलिस को सूचना दी। लाखन माजरा थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर लिया है।

ई-रिक्शा में जा रही युवती से बैग झपटा

रोहतक। कन्हेली पुल के समीप ई-रिक्शा में घर लौट रही एक युवती से बाइक सवार दो नकाबपोश युवकों ने बैग झपट लिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, शीतल नगर निवासी मुस्कान ने शिकायत में बताया कि वह गुरुग्राम से दिल्ली बाईपास पहुंची थी। रात करीब 9:30 बजे वह ई-रिक्शा से घर जा रही थी। जैसे ही ई-रिक्शा कन्हेली रोड पर आगे पहुंचा, बाइक पर सवार दो नकाबपोश युवक उसके हाथ से बैग छीनकर फरार हो गए। मुस्कान ने बताया कि बैग में लैपटॉप चार्जर, हेडफोन, ईयरबड्स, छोटा पर्स, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस तथा नकदी रखी हुई थी।

सरकारी फंड ही नहीं, अपनी जेब से विकास कार्य कराने से भी पीछे नहीं हटते विधायक

जनसेवा वही जो चुनाव तक नहीं जनता के हर दुख-दर्द तक पहुंचे

जनता के हर छोटे-बड़े काम में मदद करना जनप्रतिनिधि का दायित्व : राजेश जून

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। नया गांव सैनियान के सरपंच को एक लाख रुपए देते विधायक राजेश जून। फोटो : हरिभूमि

विधायक राजेश जून एक तरफ जहां सरकारी योजनाओं और अनुदान के माध्यम से विधानसभा क्षेत्र में सड़क, पेयजल, सीवरेज, शिक्षा और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास कार्यों को गति दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ वे अपने निजी कोष से भी लगातार सामाजिक, धार्मिक और जनहित के कार्यों में सहयोग कर रहे हैं। उनका कहना है एक जनप्रतिनिधि का दायित्व है कि वह जनता की सेवा करे। उनकी सुविधाओं का ख्याल रखे, लेकिन यह सब कुछ सिर्फ चुनाव तक सीमित नहीं होना चाहि। जनप्रतिनिधि का दायित्व अपने क्षेत्र के लोगों के हर छोटे-बड़े काम में सहयोग करना होता है। उनके दुख-दर्द में उनका साथ देना भी उसका दायित्व है।

विधायक राजेश जून अपने इस कथन को चिरतार्थ भी करते हैं। आए दिन वह अपनी जेब से लोगों की सुविधाओं के लिए धन मुहैया कराते हैं। इस बार उन्होंने अपनी कमाई से बहादुरगढ़ की संत कबीर चौपाल के लिए एक लाख रुपए, गांव कानोंदा स्थित पीर बाबा स्थल के लिए एक लाख, नया गांव सैनियान में पाइप दबाने के लिए एक लाख तथा नया गांव जाटयान में लाइटें लगवाने के लिए 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की।

इसके अलावा निजी कोष से ही आसौदा सात माता मंदिर में 60 हजार का वाटर कूलर तथा ग्रीन बैल अभियान के तहत 75 हजार रुपए के जूट बैग दिए। गांव लोवा माजरा में प्रजापत समाज के गरीब परिवारों को सहयोग स्वरूप 1 लाख 2 हजार रुपए की राशि भेंट की। राजेश जून ने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग के सुख-दुख में सहभागी होना उनका दायित्व है। उनका प्रयास रहता है कि सरकारी विकास कार्यों के साथ-साथ सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों को भी सहयोग मिलता रहे, ताकि समाज का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि जनसेवा केवल चुनाव तक सीमित नहीं होती, बल्कि लोगों के जीवन से जुड़े हर छोटे-बड़े कार्य में सहयोग करना ही जनप्रतिनिधि का वास्तविक दायित्व है।

क्षेत्र के लोग करते हैं विधायक की सराहना

क्षेत्र के लोगों ने भी विधायक राजेश जून के इस सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि वे लंबे समय से बिना किसी भेदभाव के सामाजिक सरोकार निभाते आ रहे हैं और जरूरत पड़ने पर निजी स्तर पर भी लोगों की मदद के लिए हमेशा आगे रहते हैं।

झज्जर। अतिथियों को सम्मानित करते हुए आयोजक। फोटो : हरिभूमि

रक्तदान करना पुण्य का कार्य : डॉ. सुरेश सिंघल

- पीजीआई रोहतक के डायरेक्टर ने किया रक्तदान शिविर का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव पाटौदा में शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। गांव के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाऊस में आयोजित इस रक्तदान शिविर का शुभारंभ मुख्यातिथि के रूप में पीजीआई रोहतक के डायरेक्टर डॉक्टर सुरेश सिंघल ने किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है। दान किया गया रक्त किसी व्यक्ति की जिंदगी को बचाने में काम आता है। यह पुण्य का कार्य है। हर व्यक्ति को तीन महीने में एक बार रक्तदान करने का प्रण लेना चाहिए। कार्यक्रम में डॉक्टर पवन यादव, जगबीर, मोनू, कमल, रामनिवास चौहान, गोविंद, प्रवीण कुमार सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

नंबरदार एसोसिएशन ने किया डॉ. गुप्ता का स्वागत

बहादुरगढ़। नंबरदार एसोसिएशन हरियाणा के चेयरमैन सतीश नंबरदार, गौरव राठी एडवोकेट तथा अटल मंडल किसान मोर्चा के अध्यक्ष राहुल राठी ने शनिवार को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता का स्वागत किया। इस दौरान राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ और जिलाध्यक्ष विकास बाल्मीकि को पगड़ी बांधकर, शॉल ओढ़ाकर और बुक्का भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान योगेश टंडन, अजय छिल्लर, साहिल गुप्ता, राकेश चौहान, पंकज, विकास, आकाश, राहुल सैनी, राजकुमार, संजय सेतिया और सचिन आदि मौजूद रहे।

संत शिरोमणि गुरु रविदास स्वागत द्वार का किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। संत रविदास स्वागत द्वार का उद्घाटन करते रजनीश मोनू और रमेश राठी। फोटो : हरिभूमि

शहर के वार्ड नंबर-1 में बराही रोड पर संत शिरोमणि गुरु रविदास के नाम से बने स्वागत द्वार का शनिवार को उद्घाटन किया गया। साथ ही इस बराही रोड का नामकरण भी संत शिरोमणि गुरु रविदास मार्ग कर दिया गया है। वार्ड के बुजुर्गों की मौजूदगी में पार्षद रजनीश उर्फ मोनू तथा चेयरपर्सन सरोज राठी के पति रमेश राठी ने नारियल फोड़कर उद्घाटन किया।

पार्षद रजनीश उर्फ मोनू ने बताया कि लोगों की करीब 30 वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए इस सड़क पर संत शिरोमणि गुरु रविदास के नाम से स्वागत द्वार बनाया गया है और इस सड़क का नाम भी उनके नाम पर किया गया है। इससे आने वाली पीढ़ियों को भी संत शिरोमणि गुरु रविदास के विचारों और उनके सामाजिक योगदान की प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर रविदास प्रधान, नरेंद्र सहोता, पूर्व प्रधान ग्यासू, बालकिशन, मुकेश, नरेश, जयपाल, भान आदि ने चेयरपर्सन सरोज राठी का आभार व्यक्त किया।

शहीद की स्मृति में किया पौधरोपण

- देश और मानवता के लिए दिए अपने पिता के सर्वोच्च बलिदान का कलावती पूनिया ने किया याद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। पौधरोपण के दौरान अपने परिजनों के साथ उपस्थित कलावती पूनिया। फोटो : हरिभूमि

दी हाइट्स सीनियर सैकेंडरी स्कूल खुड्डन में द्वितीय विश्व युद्ध के वीर शहीद सिपाही जयदयाल पूनिया की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शहीद जयदयाल पूनिया की सुपुत्री कलावती पूनिया ने की। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए अपने पिता के देश और मानवता के प्रति दिए गए सर्वोच्च बलिदान को याद किया। उन्होंने बताया कि आधिकारिक सैन्य प्रशस्ति पत्र के अनुसार सिपाही जयदयाल पूनिया भारतीय सेना की 15 पंजाब रेजिमेंट में कार्यरत थे।

उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान बहादुरी से लड़ते हुए 26 जून 1945 को अपने प्राणों की आहुति दी थी। शहीद की स्मृति को जीवंत बनाए रखने तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से स्कूल परिसर में 21 विशेष पौधे सेल्फी विद ट्री अभियान के अंतर्गत लगाए गए। कार्यक्रम के दौरान संस्थान निदेशक नवींद्र कुमार ने स्टाफ सदस्यों के साथ शहीद को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रतिभावान विद्यार्थियों को शहीद जयदयाल पूनिया मेडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

बहादुरगढ़। ट्रक चालकों को जागरूक करते एसएचओ सतीश कुमार। फोटो : हरिभूमि

ट्रक चालकों को दी यातायात नियमों के पालन की सीख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शनिवार को शिवा ट्रक यूनियन में यातायात नियमों एवं नशामुक्ति विषय पर एक जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। यातायात थाना प्रबंधक सतीश कुमार ने ट्रक चालकों, वाहन मालिकों, परिचालकों तथा यूनियन के पदाधिकारियों को सड़क सुरक्षा नियमों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तेज गति, लापरवाही, गलत दिशा में वाहन चलाना, ओवरलोडिंग, मोबाइल फोन का प्रयोग तथा शराब या अन्य किसी प्रकार के नशे की हालत में वाहन चलाना सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। उन्होंने लोगों से स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने आसपास लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

राव नरबीर से मिले जसबीर

बहादुरगढ़। पूर्व पार्षद जसबीर सैनी ने शनिवार को केबिनेट मंत्री राव नरबीर से मुलाकात की और समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। उन्होंने कहा कि वन विभाग तथा बिजली विभाग में आपसी तालमेल कमी के कारण जनता को परेशानी हो रही है। उन्होंने बताया कि बिजली निगम सुचारु विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए समय -समय पर पेड़ों की झंगाई करता है। इन दोनों विभागों का आपसी तालमेल होना बहुत जरूरी है। जनता की परेशानियों पर मंत्री ने कहा कि जल्द समाधान किया जाएगा। राव नरबीर ने विश्वास दिलाया कि वन विभाग की तरफ से कोई परेशानी नहीं आने दी जायेगी। इस अवसर पर पीयूष सैनी, पुनीत सैनी, राजपाल व नीरज आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। राव नरबीर को समस्या से अवगत करवाते जसबीर सैनी। फोटो : हरिभूमि

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में 158 लोगों की आंखों का हुआ इलाज

- कई मरीजों की आंखों में मिली एलर्जी की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। शिविर में लोगों की आंखें जांचते स्वास्थ्यकर्मी। फोटो : हरिभूमि

गुरु नानक कॉलोनी स्थित एनआर हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 158 लोगों ने अपनी आंखों की जांच करवाई। शिविर का शुभारंभ स्कूल संचालक कृष्ण कुमार तथा पार्षद विजेंद्र दलाल ने संयुक्त रूप से किया।

नेत्र विशेषज्ञ डॉ. मधु ने जांच के दौरान कई लोगों की आंखों में एलर्जी की शिकायत पाई। कुछ लोगों में दूर दृष्टि एवं निकट दृष्टि संबंधी समस्याएं मिलीं, जबकि कुछ बुजुर्गों में सफेद मोतियाबिंद के लक्षण भी पाए गए। चिकित्सकों ने सभी जांच कराने वालों को आंखों की उचित देखभाल एवं आवश्यक उपचार संबंधी परामर्श दिया। इस अवसर पर जगदीश प्रसाद, सत्येंद्र दहिया, रमेश गुप्ता, करण सिंह, अजय कुमार, नरेंद्र जांगड़ा, संदीप कुमार, कविता, भावना, सुदेश कुमारी, ओमनिवास, दीपक तिवारी, देवेश गुलिया व कविश आदि उपस्थित रहे।

एपीसीपीएल में बालिका सशक्तिकरण अभियान संपन्न

बेटियों को सिखाए गए आत्मरक्षा के तौर-तरीके

बालिकाओं को कप्यूटर, योग, संगीत शिल्प व खेलकूद का चार सप्ताह तक दिया गया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। अधिकारियों व अतिथियों के साथ मंच पर उपस्थित प्रशिक्षणार्थी बालिकाएं। फोटो : हरिभूमि

क्षेत्र के गांव झाड़ली स्थित एपीसीपीएल पावर प्लांट के नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत आयोजित बालिका सशक्तिकरण अभियान शनिवार को संपन्न हो गया। कार्यक्रम के समापन पर एनटीपीसी लिमिटेड के प्रचालन निदेशक रवींद्र कुमार मुख्यातिथि तथा संयुक्ता महिला समिति की वरिष्ठ सदस्या चंदना कुमार विशिष्टातिथि व एपीसीपीएल आईईएम से सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल राजीव सिरोही और समीना सिरोही विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एपीसीपीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिलीप काइबोर्त्ता व सखी लेडीज क्लब की अध्यक्षता ममता काइबोर्त्ता ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत पावर प्लांट के आसपास के गांवों की बालिकाओं को शिक्षा, कंप्यूटर शिक्षा, योग, कला एवं शिल्प, संगीत, आत्मरक्षा, खेलकूद तथा सर्वांगीण विकास से संबंधित गतिविधियों का चार सप्ताह तक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे कि बेटियां हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकें और सफलता के नए मुकाम हासिल कर सकें। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इस प्रयास की सराहना की।

महिलाओं की सुरक्षा को करें कानून का सख्ती से पालन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

वर्षा खांगवाल, डीसी

महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और गरिमा की रक्षा प्रत्येक सरकारी और गैर सरकारी संस्थान की सामूहिक जिम्मेदारी है। डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि कार्य स्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को लेकर सरकार द्वारा यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम-2013 लागू किया गया है, जिसकी सख्ती से पालना जरूरी है। उन्होंने बताया कि पॉश अधिनियम महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा के लिए एक सशक्त कानूनी व्यवस्था है, जिसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे महिलाओं के सम्मान की रक्षा करें। उन्होंने कहा कि उक्त अधिनियम सभी महिला कर्मचारियों पर समान रूप से लागू होता है। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार अपनाएं तथा किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाते हुए अधिनियम के प्रावधानों का पूरी गंभीरता से पालन करें।

खबर संक्षेप

पंकज जैन ने किया डॉ. अर्चना गुप्ता का स्वागत

बहादुरगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार बहादुरगढ़ पहुंचीं डॉ अर्चना गुप्ता का वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ पंकज जैन ने भव्य स्वागत व सम्मान किया। जैन ने कहा कि डॉ अर्चना गुप्ता के मार्गदर्शन में पार्टी प्रदेश में जनसेवा और संगठन विस्तार के नए आयाम स्थापित करेगी। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की नीतियों और जनहित के कार्यों को घर-घर तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेगा। उनकी नियुक्ति से कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा और प्रेरणा मिली है।

हवन के बाद छोले-चावल का प्रसाद किया वितरित

बहादुरगढ़। पंडित लख्मीचंद धर्मशाला समिति के प्रधान प्रवीण कुमार शर्मा ने शंकर गार्डन में धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया। शक्ति विद्या मंदिर हाई स्कूल व किड्स क्लाउड प्ले स्कूल में हवन के बाद विशाल भंडारा आयोजित किया गया। भंडारे में राहगीरों को छोले-चावल का प्रसाद वितरित किया गया।

बंटी ने किया डॉ. गुप्ता का अभिनंदन

बहादुरगढ़। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन बंटी ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत-सम्मान किया। उन्होंने कहा कि गुप्ता के नेतृत्व में हरियाणा में भाजपा संगठन अधिक सशक्त होगा। पार्टी जनहित के कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगी।

ग्रीष्मावकाश के प्रोजेक्ट पूरे करने में जुटे विद्यार्थी

होम वर्क में दिए प्रोजेक्ट बच्चों की प्रतिभा में लाते हैं निखार: अर्चना

बच्चे पार्कों, खेल मैदानों में क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन अन्य खेल में भाग ले रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। हॉलिडे-होमवर्क पूरा करने में जुटी एक छात्रा।

करीब डेढ़ महीने की गर्मी की छुट्टियां अब समाप्त होने वाली हैं। स्कूल खुलने में कुछ ही दिन शेष हैं। ऐसे में विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों की व्यस्तता भी बढ़ गई है। जहां कुछ दिन पहले तक बच्चे पूरी तरह छुट्टियों का आनंद लेने में व्यस्त थे, वहीं अब उनका अधिकांश समय स्कूल से मिले होमवर्क, प्रोजेक्ट वर्क और असाइनमेंट पूरे करने में बीत रहा है।

सुबह और शाम के समय मौसम अपेक्षाकृत अनुकूल होने पर बच्चे पार्कों, खेल मैदानों और कॉलोनियों में क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, साइकिलिंग और अन्य खेल गतिविधियों में हिस्सा ले रहे हैं। वहीं दोपहर की तेज गर्मी के दौरान वे घर के अंदर बैठकर चार्ट, मॉडल, ड्राइंग, हस्तकला, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान से जुड़े प्रोजेक्ट तैयार करने के साथ-साथ लिखित गृह कार्य पूरा कर रहे हैं। अभिभावक प्रज्ञा पाठक का कहना है कि छुट्टियों के शुरुआती दिनों में बच्चों को आराम और घूमने-फिरने का अवसर दिया गया, लेकिन अब स्कूल खुलने का समय नजदीक आने के कारण वे नियमित रूप से पढ़ाई और होमवर्क पर ध्यान दे रहे हैं। शिक्षिका अर्चना पंवार का मानना है कि ग्रीष्म अवकाश का उद्देश्य केवल आराम करना नहीं, बल्कि बच्चों की रचनात्मकता और सीखने की क्षमता को भी विकसित करना है। इसलिए स्कूलों की ओर से दिए गए प्रोजेक्ट और गतिविधियां बच्चों को नई चीजें सीखने और स्वयं कार्य करने के लिए प्रेरित करती हैं। बच्चे भी अपने-अपने तरीके से छुट्टियों के अंतिम दिनों का आनंद ले रहे हैं। कोई सुबह खेलकर दोपहर में पढ़ाई कर रहा है तो कोई परिवार के साथ समय बिताने के साथ अपना होमवर्क पूरा करने में जुटा है। कई विद्यार्थी स्कूल खुलने से पहले सभी कार्य पूरे कर तनावमुक्त होकर नई कक्षा की शुरुआत करना चाहते हैं।

झज्जर। कार्यशाला में प्रशिक्षकों के साथ उपस्थित शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

शिक्षकों को दी राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में शनिवार को क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्राचार्या प्रीति राठी ने बताया कि कार्यशाला में उपस्थित विद्यालय के 60 शिक्षकों को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा विषय की जानकारी प्रदान की गई। रिसोर्स पर्सन नीलम कुमारी, प्रशिक्षिका पारुल शर्मा और तमन्ना ने बड़े ही सरल व सहज भाषा में नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क बारे बताया कि यह शिक्षा बच्चों के समग्र विकास के लिए सुनिश्चित करती है कि उन्हें क्या, कब और कैसे पढ़ना है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत शिक्षा को रटने की बजाय वास्तविक जीवन और व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ना है। एचडी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया ने बताया कि हमें बच्चों को समावेशी शिक्षा प्रदान करानी चाहिए ताकि खेल-खेल में सीख कर बच्चे गुणवत्तापूर्ण, रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच को विकसित कर सकें। एचडी ग्रुप सचिव विशाल नेहरा, हेमंत गुलिया व एक्टिविटी इंचार्ज कमलेश ढिल्लों ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के साथ-साथ विद्यार्थियों की सीखने की गुणवत्ता को भी नई दिशा प्रदान करते हैं।

खेल ग्रेडेशन नीति में बदलाव के लिए जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। जसविंद्र मीनू बेनीवाल को बधाई देते डॉ. राकेश कोच।

हरियाणा ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष डॉ. राकेश सिंह कोच ने बताया कि सरकार ने खिलाड़ियों के हित में बड़ा फैसला लेते हुए राज्य की खेल ग्रेडेशन नीति में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब हरियाणा स्टेट गेम्स में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को भी खेल ग्रेडेशन का लाभ मिलेगा। इससे इन खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियों सहित अन्य खेल संबंधी सुविधाओं में भी फायदा मिलेगा। उन्होंने इसके लिए संघ के अध्यक्ष जसविंद्र मीनू बेनीवाल के प्रयासों को सराहा।

बता दें कि अब तक स्टेट गेम्स में खेलने वाले खिलाड़ियों को ग्रेडेशन का लाभ नहीं मिल पाता था, लेकिन नई व्यवस्था लागू होने के बाद उनके प्रदर्शन को भी आधिकारिक मान्यता मिलेगी। हरियाणा ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष डॉ. राकेश कोच के अनुसार इससे राज्य स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाले हजारों खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा और उन्हें अपने खेल करियर को आगे बढ़ाने का बेहतर अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा स्टेट गेम्स का आयोजन हरियाणा ओलंपिक संघ द्वारा कराया जाता है। नई नीति के तहत इन खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को मिलने वाली ग्रेडेशन का सीधा लाभ सरकारी नौकरियों में खेल कोटे और अन्य पात्रता संबंधी प्रक्रियाओं में भी मिलेगा। डॉ. राकेश सांगवान ने इस ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इसके लिए लंबे समय से लगातार प्रयास किए जा रहे थे। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष जसविंद्र मीनू बेनीवाल को देते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों और सरकार के समक्ष प्रभावी पैरवी के

दसवीं के संशोधित परिणामों में रोहित का उत्कृष्ट प्रदर्शन

झज्जर। सीआर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कासनी के छात्र रोहित ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की दसवीं कक्षा के संशोधित परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले में प्रथम व प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। प्राचार्य डॉक्टर जयभगवान शर्मा ने बताया कि रोहित ने अंग्रेजी विषय में 100 अंक, विज्ञान में 100, शारीरिक शिक्षा में 100 तथा गणित और सामाजिक अध्ययन में 99-99 अंक प्राप्त किए। इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी रतींद्र सिंह और साल्हावास खंड शिक्षा अधिकारी जयपाल सिंह दहिया ने विद्यालय परिवार को फोन पर बधाई दी।

फूड एंड सेफ्टी विभाग ने किया मिष्ठान भंडारों का निरीक्षण, छह सेंपल लिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। दुकानदारों को जागरूक करते हुए फूड एंड सेफ्टी ऑफिसर राजेश वर्मा।

शनिवार को खाद्य सामग्री की गुणवत्ता का निरीक्षण के लिए फूड एंड सेफ्टी विभाग टीम द्वारा शहर की विभिन्न मिष्ठान भंडारों का निरीक्षण किया गया। फूड एंड सेफ्टी ऑफिसर राजेश वर्मा ने बताया कि उनके द्वारा शहर के गुरुग्राम रोड व शहरी क्षेत्र की दुकानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान छह सेंपल भी एकत्रित किए गए जिनमें से गुरुग्राम रोड से दो देशी घी, दो घेवर के सेंपल लिए गए हैं। इसके अलावा शहरी क्षेत्र में रिटेल की दुकानों का निरीक्षण करते हुए एक दुकान से टोफू पनीर व एक मियोनीज से संबंधित सेंपल लिया गया। उन्होंने बताया कि त्यौहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए उनके द्वारा लगातार सेंपलिंग की जा रही है। उनका यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। दूसरी तरफ पुराना बस स्टैंड के पास एक कार्यक्रम का आयोजन कर दुकानदारों को जागरुक भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने दुकानदारों से विभागीय पोर्टल पर अपने मोबाइल नंबर व स्थान अपडेट रखने व गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री बेचने के लिए प्रेरित किया।

झज्जर। गणना पत्रों का एप पर डिजिटलीकरण करते हुए बीएलओ।

प्रत्येक वोटर समय पर बीएलओ को उपलब्ध कराएं अपने गणना प्रपत्र : उपायुक्त

झज्जर। जिले में मतदाता सूचियों के एसआईआर अभियान के तहत बीएलओ वोटर से प्रपत्र वापिस लेते हुए एप पर गणना प्रपत्र के डिजिटलीकरण कार्य में तेजी लाएं। संबंधित एआरओ इस कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए निर्धारित समयावधि में पूरा करना सुनिश्चित किया जाए। यह निर्देश डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने बताया कि मतदाता सूचियों को अधिक सटीक और अपडेट बनाने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। बीएलओ लगातार घर-घर जाकर मतदाताओं तक पहुंच रहे हैं, ताकि सभी पात्र नागरिकों का विवरण सही रूप में मतदाता सूची में दर्ज किया जा सके। अभियान के इस चरण में मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरवाने के साथ साथ उन्हें डिजिटलीकरण करने पर फोकस है।

चिलचिलाती गर्मी के बीच बालौर में राहगीरों को बांटा मैंगो शेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। राहगीरों को मैंगों शेक पिला रहे बालौर के युवा।

चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी के बीच आम जनजीवन बेहाल है। ऐसे में राहगीरों और जरूरतमंदों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए बालौर गांव के युवाओं की ओर से एक सराहनीय पहल की गई। युवाओं ने लघु सचिवालय के निकट छबील लगाकर सैकड़ों लोगों को ठंडा-स्वादिष्ट मैंगो शेक वितरित किया।

दोपहर की कड़कड़ाती धूप में सफर कर रहे राहगीरों, ऑटो चालकों, रिक्शा चालकों और राह चलते मजदूरों ने रुककर ठंडे आमरस का आनंद लिया। तृप्त होकर लोगों ने इस सेवा कार्य की जमकर सराहना की। भीषण उमस और लू के थपेड़ों के बीच ठंडे मैंगो शेक ने लोगों को फौरी राहत पहुंचाई। आयोजकों ने बताया कि छबील में शुद्धता और स्वच्छता का पूरा ख्याल रखा गया था। रिकॉर्ड तोड़ गर्मी में प्यासे और परेशान लोगों को शीतलता प्रदान करना मैंगों शेक वितरित किया गया।

हमले-धमकी के 3 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

थाना बादली पुलिस ने घर में तोड़फोड़, आगजनी का प्रयास तथा जान से मारने की धमकी देने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रबंधक सुमित कुमार ने बताया कि शिकायतकर्ता रोहित निवासी गांव गुभाना के घर पर 10 जून को दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए आरोपियों ने पत्थर व अन्य वस्तुओं से हमला कर शीशे तोड़ दिए, गेट को क्षतिग्रस्त किया। घर के बाहर प्लास्टिक की बोतल में ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाने का प्रयास किया। शिकायतकर्ता और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

महिला थाना पहुंची आयोग की सदस्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। एसएचओ व अन्य के साथ चर्चा करतीं सुनीता लोहचब।

हरियाणा महिला आयोग की सदस्य सुनीता लोहचब बहादुरगढ़ के महिला थाना पहुंची। यहां उन्होंने महिला थाना स्टाफ के साथ महिला सुरक्षा, महिला अधिकारों और समाज में महिलाओं की भागीदारी को मजबूत बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

सुनीता लोहचब ने कहा कि महिलाओं को शिक्षा, कानूनी अधिकारों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर सशक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा, शारीरिक एवं मानसिक शोषण, भ्रूण हत्या और महिलाओं के खिलाफ होने वाले अन्य अपराधों को रोकने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे आना होगा। जागरूकता और कानून का प्रभावी पालन ही सुरक्षित एवं अपराध मुक्त समाज की नींव है। समाज में बेटियों और महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस मौके पर एसएचओ नीलम, डॉ. राकेश कुमारी मलिक, सुनीता दहिया, बबीता दहिया, सुनील कुंडू, ओमबीर छिकारा, एसआई दिलबाग, एएसआई सरला, एएसआई सोनीया, एसपीओ पिंकी, हैड कांस्टेबल ओमपति, एएसआई राजू, ललिता, मनीषा आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। ट्रक चालकों को जागरुक करते एसएचओ सतीश कुमार।

ट्रक चालकों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शनिवार को शिवा ट्रक यूनियन में यातायात नियमों एवं नशामुक्ति विषय पर एक जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। यातायात थाना प्रबंधक सतीश कुमार ने ट्रक चालकों, वाहन मालिकों, परिचालकों तथा यूनियन के पदाधिकारियों को सड़क सुरक्षा नियमों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तेज गति, लापरवाही, गलत दिशा में वाहन चलाना, ओवरलोडिंग, मोबाइल फोन का प्रयोग तथा शराब या अन्य किसी प्रकार के नशे की हालत में वाहन चलाना सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। उन्होंने लोगों से स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने आसपास लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

भदाना में जिला प्रशासन का रात्रि ठहराव कार्यक्रम कल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। रितु, सीटीएम झज्जर।

सीटीएम रितु ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक माह आयोजित किए जाने वाले रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन इस बार सोमवार को गांव भदाना स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला में किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीसी वर्षा खांगवाल करेंगी। उन्होंने बताया कि डीसी ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनेंगी तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए स्टॉल लगाए जाएंगे, जिससे ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी। साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा, जहां नागरिकों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया जाएगा।

अभियान के अंतर्गत जिले भर में पोलियो बूथ स्थापित किए जाएंगे

पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ आज, सवा लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो रोधी दवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

पोलियो मुक्त भारत के लक्ष्य को बनाए रखने के लिए जिले में 28 जून से 30 जून तक पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा।

सीएमओ डॉक्टर मंजू कादियान ने बताया कि अभियान के अंतर्गत जिले के 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 1,26,104 बच्चों को पोलियो रोधी दवा की खुराक पिलाई जाएगी। अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। टीकाकर्मियों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है तथा ब्लॉक स्तर पर टास्क फोर्स की बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। अभियान के अंतर्गत जिले भर में पोलियो बूथ स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष टीमों की तैनाती की जाएगी, ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे।

निगरानी के लिए 150 सुपरवाइजर नियुक्त

सीएमओ डॉक्टर मंजू कादियान ने बताया कि अभियान की निगरानी के लिए 150 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं तथा दवा एवं अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध करा दिए गए हैं। नवजात शिशुओं सहित 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को अभियान में शामिल करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि 28 जून को जिले के सभी पोलियो बूथों पर बच्चों को दवा पिलाई जाएगी। इसके बाद 29 और 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों की पहचान कर उन्हें पोलियो की खुराक पिलाएंगी।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 28 जून 2026

मन-जीवन को कर रहा अशांत
सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस

स्पेशलः वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे, 30 जून

आज के दौर में अधिकांश लोग किसी न किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं। लेकिन हाल के सालों में देखने में आ रहा है कि इन पर दिन में कई-कई बार आने वाले नोटिफिकेशंस से लोगों का मन-जीवन बेचैन और अशांत होता जा रहा है। इसके पीछे क्या वजहें हैं, इनका क्या प्रभाव पड़ता है और इनसे कैसे बच सकते हैं, आपको जरूर जानना चाहिए।

{ **कवर स्टोरी / डॉ. मोनिका शर्मा** }

कभी किसी परिचित के सुंदर घर की तस्वीर तो कभी किसी फ्रेंड के विदेश घूम आने के अपडेट, वर्चुअल दुनिया में जुड़े किसी अनजान वर्चुअल मित्र ने अचानक अपना लुक बदल लिया, तो किसी के बच्चों की कमाल की उपलब्धियां। सब कुछ स्क्रीन के जरिए हम तक पहुंचता रहता है। हर उम्र के लोगों में लगातार सोशल मीडिया पर अपडेट रहने और दूसरों को अपडेट करने की सोच बढ़ रही है। इस वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के नोटिफिकेशन की टोन कई बार मन को बेचैन करने वाली दस्तक-सी लगने लगती है। दूसरों के लुक्स, करियर, महंगे शौक और एडवेंचरस ट्रिप्स को देखकर मन में कमतरी के भाव आने लगते हैं।

जबकि वास्तविकता यह है कि किसी के भी जीवन की हकीकत इतनी सुंदर-सहज नहीं होती है, जितनी सोशल मीडिया पर दिखती है। ऐसे में बनावटी-सजावटी आभासी दुनिया के बहकावे में आने के बजाय अपने मन-जीवन को साधना जरूरी है।

बढ़ने लगी है तुलनात्मक प्रवृत्ति

आज के दौर में स्क्रीन के जरिए दस्तक देता कंटेंट, हर उम्र के लोगों को कमतरी और बेहतरी के जाल में उलझा रहा है। शुभ कार्य हों या कोई व्यक्तिगत उपलब्धि, आभासी दुनिया में अजीब से नाप-तौल वाले मनोभावों से देखी, समझी और स्वीकारी जाने लगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लेकर फैमिली ग्रुप्स में शेयर की जाने वाली सूचनाओं और क्लिक्स तक, हर बात और जज्बात तुलना करने की सोच की ओर धकेल रहा है। इसके चलते मन में आने वाली अनचाही तल्खी, व्यावहारिक जिंदगी की भरपूर समझ होने के बावजूद, दिलो-दिमाग को बोझिल कर रही है। सुंदरता, सहृदयता और संपन्नता की जो चमक स्क्रीन पर तैरते अपडेट्स में दिखती है, वही जीवन का सच नहीं है, यह जानते-बूझते हुए भी रंग-रूप, कद-काठी और उपलब्धियों से लेकर खुशियों और उत्सवीय रंग-ढंग तक एक असंतोष की भावना पनप रही है। ध्यान रहे कि सोशल मीडिया के जरिए क्लिक भर में आप तक पहुंच जाने वाले कंटेंट से तुलना का भाव स्वयं यूजर्स में तो बढ़ ही रहा है। बाजार ने भी इसे बढ़ाया है क्योंकि यह भी एक तरह की मार्केटिंग स्ट्रेटेजी ही है।

गहरा होता है कमतरी का भाव

जाने-अनजाने लोगों के अपडेट्स देखकर पैदा हो रहा तुलना का भाव, खुद के जीवन में कमियां देखने को प्रेरित कर रहा है। इसके चलते हमारा मन रिश्तों, जीवनशैली और अपने हिस्से आए स्नेह-सम्मान की भी अनदेखी करने लगता है। नतीजतन जिंदगी की नेमतों को लेकर शुक्रिया कहने के भाव की जगह शिकायतों ने ले ली है। नोटिफिकेशन टोन के साथ पल-पल में अवतरित

होते संदेश, सूचनाएं, चित्र, असंतुष्टि भरी सोच और बेचैनी भी साथ लाते हैं। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि वर्चुअल दुनिया में अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और दूसरे जाने-अनजाने चेहरों के अपडेट्स हर उम्र के लोगों के लिए व्यक्तिगत जीवन में असंतुष्टि की बड़ी वजह बन रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन के जरिए अमूमन अपनों-परायों तक अपनी कमियां, कमजोरियां और दिल की कसक नहीं पहुंचाई जाती। यह जानते-समझते हुए भी दूसरों के चमकदार, सफल और सुखी दिखते जीवन की वर्चुअल आभा में खुद को कहीं कमतर महसूस करने का भाव पनपने लगता है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन के मुताबिक आमतौर पर सोशल मीडिया पर लोग अपने बारे में सकारात्मक जानकारी ही प्रस्तुत करते हैं। फिल्टर्स का उपयोग करके अपनी उपस्थिति को और प्रभावी बना देते हैं। इसके चलते यह लगने लगता है कि हमारे मित्र या संबंधी कितने सुंदर हैं! कितने सफल हैं! इससे कई बार ऐसा भी लगने लगता है कि हमारे अलावा सब के पास सब कुछ है, सब बहुत खुश और संतुष्ट हैं, जबकि यह एक आभासी सोच भर होती है।

खो रहीं सहज-सी खुशियां

लगातार मिलने वाले सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस के जरिए इंसानी व्यवहार और विचार में चाहे-अनचाहे स्क्रीन पर दिखी तस्वीरों, सूचनाओं और उपलब्धियों का ही लेखा-जोखा रहने लगता है। ऐसे में हम उस सुख को भी भूल जाते हैं, जो हमारी झोली में मौजूद होते हैं। इसकी वजह यह भी है कि वास्तविक दुनिया में तुलना करने के दायरे में बहुत कम लोग शामिल होते हैं। सोशल मीडिया का डिजिटल यूनिवर्स, दूसरों के साथ तुलना करने की स्थितियों को कई गुना बढ़ा देता है। समझना जरूरी है कि दूसरों की जिंदगी के वर्चुअल अपडेट्स में दिखने और होने के फर्क को समझते हुए अपने जीवन की सहजता को बनाए रखिए। अपनी खुशियों को जीने से दूरी मत बनाइए। *

सही नहीं सबका पीछा करना

दूसरों के मीडिया अपडेट्स के चलते मन में आ रही खिन्नता लोगों को उनका फॉलोअर बना देती है। हम हरदम यह जानने की कोशिश में लगे रहते हैं कि उनके ताजा अपडेट्स क्या हैं? आज उनकी क्या गतिविधियां हैं? अन्य लोग उनकी कैसे और कितनी सराहना कर रहे हैं? दूर बैठे लोगों की जिंदगी का पीछा करने की सोच से ऐसी बातों के चलते खुद आपके जज्बात बदलने लगते हैं। मन-जीवन में असंतोष भरी स्याह उदासी जगह बना लेती है। यहां तक कि ईर्ष्या का भाव भी पनपने लगता है। सोचने वाली बात यह है कि यह सब होने की कोई वास्तविक वजह ही नहीं होती है। सोच-समझकर दी गई जानकारियां और बना-संवारकर साझा की गई तस्वीरें लोगों को हैरान-परेशान करती हैं, जबकि खुद उनके ही द्वारा साझा की जा रही सामग्री के इतर उनके जीवन की असलियत का दूसरों को कोई अंदाजा ही नहीं। ऐसे में यह आदत बेवजह आपकी ऊर्जा और समय खपाने लगती है। सोशल मीडिया का उपयोग यूजर्स जिस इरादे से करते हैं, उनके मन-मस्तिष्क पर वैसा ही असर पड़ता है। बिना सोचे-समझे दूसरों के अपडेट्स के इंतजार में स्क्रीन स्क्रॉल करने से अवसाद और घबराहट पैदा होती है। जिन लोगों के अपडेट्स मन में भटकाव या नकारात्मक भाव लाते हैं, उन्हें अनफॉलो कीजिए। चिंतित और उदास महसूस करवाने वाले कंटेंट से दूरी बनाएं। वर्चुअल दुनिया हो या असल संसार औरों से ज्यादा अपनी जिंदगी में रुचि रखिए।

भारत के सरकारी स्पेस इंस्टीट्यूट इसरो की उपलब्धियां तो जगजाहिर हैं ही, अब इसी के नक्शेकदम पर चलते हुए कई स्पेसटेक निजी कंपनियां भी देश-दुनिया में अपनी धाक जमा रही हैं। स्पेसटेक के क्षेत्र में नित नई ऊंचाई हासिल कर रही देश की प्राइवेट स्पेसटेक कंपनियों की अचीवमेंट पर एक नजर।

अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां छू रहीं देश की निजी स्पेसटेक कंपनियां

{ **अचीवमेंट** / **संजय श्रीवास्तव** }

हाल में 'गैलेक्सआई' द्वारा मिशन दृष्टि नामक दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद दुनिया भर की मीडिया में भारत की निजी स्पेस कंपनियों की कम लागत के साथ तकनीकी दक्षता तथा इस आधार पर वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में उनकी तीव्र बढ़त की चर्चा हो रही है।

गैलेक्सआई ने रचा इतिहासः जब भारत ने 'मिशन दृष्टि' के तहत 190 किलो वजनी दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया, तब बहुतों ने गैलेक्सआई का नाम पहली बार सुना। देश ने स्पेस तकनीकी क्षमता का लोहा वैश्विक स्तर पर मनवाया हो और खबरों में इसरो की जगह देश के सबसे बड़ा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह बनाने वाली किसी ऐसी निजी कंपनी का नाम सुर्खियों में शामिल हो, जिसके अस्तित्व में आए महज पांच साल हुए हैं, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इतने कम समय में यह अनूठी सफलता हासिल कर इसने बता दिया है कि भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रगति कितनी तेज गति से हो रही है।

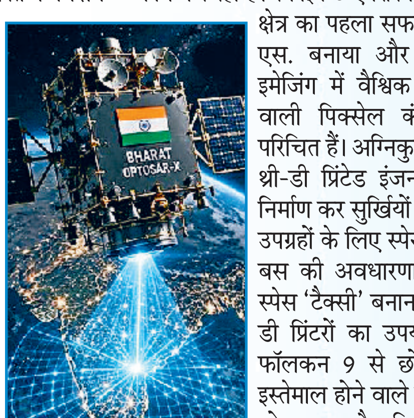

बहुपयोगी है इसकी तकनीकः गैलेक्सआई द्वारा लांच मिशन दृष्टि की ऑप्टोसार तकनीक में इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल यानी ईओ और सिंथेटिक, पर्चर रडार या एसएआर सेंसर को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है। इस संयोजन के कारण यह उपग्रह हर मौसम और दिन-रात में डेटा संग्रह करने में सक्षम है। यह क्षमता अब तक सीमित देशों या अलग-अलग प्रणालियों में बंटी हुई थी, जबकि भारत ने इसे एकीकृत रूप में प्रस्तुत किया है। वैश्विक संदर्भ में देखें तो अमेरिका, चीन और कुछ यूरोपीय देश पृथ्वी अवलोकन में अग्रणी रहे हैं, लेकिन रणनीतिक दृष्टि से 'गेम चेंजर' ऑप्टोसार तकनीक जैसी एकीकृत प्रणाली भारत को तकनीकी बढ़त देती है। यह उपग्रह सेना को डेढ़ मीटर के दायरे में सीमा पार की सटीक जानकारी देगा। कृषि मॉनिटरिंग, आपदा प्रबंधन, तटीय सुरक्षा और शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता व्यापक है। बाढ़ या चक्रवात के समय यह त्वरित और सटीक डेटा निर्णय लेने की क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है। इस प्रकार 'मिशन दृष्टि' ड्यूल-यूज टेक्नोलॉजी का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिससे नागरिक और सैन्य दोनों लाभ एक साथ प्राप्त होंगे।

कई और कंपनियां भी हैं एक्टिवः गैलेक्सआई तो महज एक उदाहरण है, देश में इसरो के साथ मिलकर काम करने वाली कॉमर्शियल स्पेस इंडस्ट्री स्टैब्लिश हो चुकी है। अनुमान है कि फिलवक्त निजी क्षेत्र में 400 स्पेसटेक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। 150 से ज्यादा कंपनियां छोटे उपग्रह, लॉन्च व्हीकल्स, अर्थ ऑब्जर्वर और एआई एनालिटिक्स आदि पर शानदार काम कर रही हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस, जिसने निजी क्षेत्र का पहला सफल रॉकेट विक्रम एस. बनाया और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग में वैश्विक पहचान बनाने वाली पिक्सेल कंपनी से सभी परिचित हैं। अग्निकुल कॉस्मॉस, जो थ्री-डी प्रिंटेड इंजन अग्निलेट का निर्माण कर सुर्खियों में आई थी, अब उपग्रहों के लिए स्पेसएक्स की स्पेस बस की अवधारणा से उलट एक स्पेस 'टैक्सी' बनाना चाहती है। थ्री-डी प्रिंटरों का उपयोग करके, यह फॉलकन 9 से छोटे और दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट बनाने की सोच रहा है, जिन्हें ग्राहक की इच्छानुसार कहीं से भी लॉन्च किया जा सकता है और उनके उपग्रह को ठीक उसी कक्षा में सटीकता से स्थापित किया जा सकता है, जिसकी उसे जरूरत है। मुमकिन है कि इस साल के अंत तक वह लक्ष्य पा लें। दिगांत्रा कंपनी एक कक्षीय हवाई-यातायात नियंत्रक के रूप में काम कर रही है, जो विभिन्न कंपनियों के उपग्रहों के अंतरिक्ष मलबे से टकराने के जोखिम की निगरानी में मदद करती है।

हो रहा वैश्विक प्रसारः देश की ये स्पेसटेक कंपनियां देश से बाहर भी अपनी धाक जमा रही हैं। आज पिक्सेल नासा के साथ डेटा साझेदारी कर रही है, तो स्काईरूट अंतरराष्ट्रीय ग्राहक लॉन्च सेवाएं दे रही है और ध्रुव स्पेस ग्लोबल सैटेलाइट सेवाओं में आगे है। इसी तरह तमाम निजी स्पेस कंपनियां विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रही हैं यानी शोधरत हैं। भारतीय प्राइवेट स्पेस कंपनियों की बढ़ती प्रसिद्धि के पीछे कारण यह है कि भारतीय स्पेसटेक कंपनियों का मॉडल 'कम लागत पर उच्च-दक्षता नवाचार' पर आधारित है। स्पेस टेक की दिशा में भारत अब 'सेवा प्रदाता' से 'तकनीक प्रदाता' बन रहा है। इसीलिए उम्मीद की जा रही है कि भारतीय स्पेसटेक व्यापार 2030 तक 40 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। *

{ **गजल** / **डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'** }

भूल गए हैं लोग सलीका

भूल गए हैं लोग सलीका आमंत्रण का,
भाव नहीं दिखता आंखों में अपनेपन का।
भरमाने वाले पेड़ों की भीड़ लगी है,
मोल नहीं होता कानन में अब चंदन का।
याद किसी की आने पर सर दीवारों से
टकराए तो दोष नहीं होता दरपन का।
इकदिन उम्र ढला करती है सबकी जग में,
धीरे-धीरे रंग उतरता है आनन का।
साथ न हो गर मन का मीत सफर में 'नवरंग'
लगने लगता है हर मौसम फिर बेमन का।

{ **व्यंग्य / सूर्यदीप कुशवाहा** }

मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है।

शादी का झमेला

आजकल समाज में शादी-ब्याह केवल दो आत्माओं का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों के बैंक बैलेंस, प्रतिष्ठा और धैर्य की परीक्षा का महायज्ञ बन गया है। यह वह अवसर होता है, जब एक अदना-सा इंसान अचानक शादी समारोह प्रबंधक बन जाता है और अपनी सारी जमापूंजी, साख और यहां तक कि भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए रखी गई पूंजी भी एक रात के दिखावे में झोंक देता है।

समारोह में दुल्हन को इतना पेंट किया जाता है कि पेंट किया हुआ घर भी फीका दिखने लगता है। चेहरे पर पुताई की इतनी परतें होती हैं कि अगर दुल्हन को छींक आ जाए, तो आस-पास के लोग उस गुबार से लाल हो जाएं। इसे ब्राइडल ग्लो कहा जाता है, जो सुबह होते ही वॉटरप्रूफ न होने की स्थिति में बह जाता है। आम धारणा है कि दुल्हन का लहंगा भी उतना ही भारी होना चाहिए, जितना दुल्हन के पिता का सिर कर्ज के बोझ से भारी हो जाता है।

शादी समारोह अब रिश्तों का उत्सव कम और कॉम्पिटिशन ज्यादा बन गया है। पड़ोसी की बेटी की शादी में पचास पकवान थे, तो हमें शुभ इक्यावन करने ही होंगे। चाहे इसके लिए पिता को क्यों न बैंक से लोन लेना पड़े। लगन के इस मौसम में सबसे ज्यादा प्रभाव उस मध्यमवर्गीय पिता पर होता है, जो तीन घंटे के दिखावे के लिए तीस साल की कमाई स्वाहा कर देता है। मेहमानों को खिलाने के लिए मेनू में तरह-तरह के व्यंजन होते हैं, जिसमें से अधिकतर मेहमान केवल वही स्पेशल डिश खाते हैं, जो उनके घर में नहीं बनते हैं। मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है। यह ऐसा मेला है, जहां रिश्तेदार यह देखने आते हैं कि हलवाई ने पनीर की सब्जी में पनीर डाला था या सिर्फ ग्रेवी? वास्तव में शादी में आए मेहमानों का मुख्य उद्देश्य दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देना नहीं, बल्कि समारोह में कमियां उघाड़ना होता है। बिना बात नाराज होने वाले दूल्हे के फूफाजी अगर पनीर के चार टुकड़े खा लें तो यह उनकी दयालुता मानी जाती है। ये वही लोग होते हैं, जो अपनी बेटी की शादी में सबसे कंजूसी करते हैं, लेकिन दूसरे की शादी में फाइव स्टार होटल जैसी सुविधा चाहते हैं। इनके लिए शादी एक फ्री फूड फेस्टिवल होता है, जहां वे वीआईपी बन अपनी पसंद का खाना न मिलने पर दुल्हन के पिता को कोस और लताड़ सकते हैं। लेकिन समारोह का असली मजा या सजा सड़क पर बारात के रूप में मिलता है। डीजे वाले बाबू चाहे कैसा भी गाना बजाएं, बारातियों को तो बस वही एक स्टेप आता है-नागिन डांस। ऐसा लगता है जैसे सांपों ने पूरी बारात को डस लिया हो। दूल्हा घोड़ी पर बैठा ऐसे मुस्कुराता है, जैसे उसने देश के लिए स्वर्ण पदक जीता हो, जबकि सच्चाई यह है कि वह कुछ ही देर में स्वतंत्रता से परतंत्रता की ओर कदम बढ़ाने वाला होता है।

हर कोई चाहता है कि उसकी शादी यादगार हो। शायद इसीलिए आज के दौर में शादी समारोह समाज के सामने अपनी औकात बताने का एक जरिया बन गया है। शादी के बाद दूल्हा-दुल्हन शान से नई कार में घूमते हैं और पीछे दुल्हन के पिता उस कार की ईएमआई भरते हैं। इसे ही लड़की का बाप कहते हैं। *

{ **पुस्तक चर्चा / मेनका त्रिपाठी** }

संवेदना-संघर्ष का कथालोक

हाल में प्रकाशित हुआ विक्रम सिंह का कहानी-संग्रह 'आवारा अदाकार' समकालीन जीवन की जटिलताओं, विडंबनाओं और मानवीय संघर्षों के दस्तावेज की तरह है। उनकी कहानियों में एक ओर यथार्थ की खुरदुरी जमीन दिखाई देती है, तो दूसरी ओर कल्पना की ऐसी ऊंचाई भी, जो साधारण जीवन को अर्थपूर्ण बना देती है। यही कारण है कि उनकी कहानियां केवल घटनाओं का विवरण नहीं लगतीं, बल्कि पाठक के भीतर संवेदना और विचार दोनों को जगाती हैं।

लेखक ने खाड़ी देशों में संघर्षरत मजदूरों की पीड़ा, कोरोना काल की त्रासदी, बेरोजगार युवाओं की बेचैनी, इंटरनेट ठगी और आभासी रिश्तों के खोखलेपन जैसे समकालीन विषयों को अत्यंत संवेदनशीलता से उठाया है। वे केवल दुख की दास्तां नहीं सुनाते, बल्कि जीवन की कठोर परिस्थितियों के बीच मनुष्य की जिजीविषा और छोटे-छोटे सुखों की तलाश को भी रेखांकित करते हैं। उनकी भाषा सहज, प्रवाहपूर्ण और आज के जीवन के जीवंत मुहावरों से भरपूर है। संवादों में स्वाभाविकता है, जिससे पात्र पाठक के बेहद करीब आ जाते हैं। हालांकि, विविध विषयों के कारण कहीं-कहीं कथ्य का हल्का बिखराव दिखाई देता है, फिर भी उनकी रचनात्मक ईमानदारी और मानवीय दृष्टि इस कमी को ढंक लेती है। *

पुस्तकः आवारा अदाकार (कहानी संग्रह), **लेखकः** विक्रम सिंह,
मूल्यः 250 रुपए, **प्रकाशकः** लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

टूरिस्ट प्लेसेस / समीर चौधरी

बाली-मालदीव जैसे ही अमेजिंग हैं
ये भारतीय द्वीप-समुद्र तट

खूबसूरत समुद्र तट और द्वीपों का शानदार नजारा देखने के लिए अनेक टूरिस्ट, बाली या मालदीव का रुख करना पसंद करते हैं। जबकि अपने देश भारत में भी कुछ ऐसे द्वीप और समुद्र तट मौजूद हैं, जो किसी मायने में बाली-मालदीव से कम नहीं हैं। कौन से हैं ये अमेजिंग टूरिस्ट प्लेसेस और क्या हैं इनकी खासियतें, जानकर आप भी इनका दीदार करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे।

मिनी मालदीव जैसा तर्करली-मालवण, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के कोंकण तट पर तर्करली व मालवण को महाराष्ट्र का मिनी मालदीव भी कहा जाता है। दरअसल, यहां का साफ पानी पर्यटकों का मन मोह लेता है। सिंधुदुर्ग जिले में स्थित यह तट सी बीचेज, शांत बैकवाटर्स के लिए जाना जाता है। यहां स्कूबा डाइविंग, स्नोरकेलिंग या पैरासेलिंग जैसे वाटर स्पोर्ट्स और एक्टिविटीज बहुत कम खर्च में उपलब्ध हैं। तर्करली में आपको स्थानीय कोंकणी संस्कृति देखने को मिलेगी। सिंधुदुर्ग किले में बोट राइड्स का आनंद लिया जा सकता है। यहां के स्थानीय रेस्तराओं में मालवणी सीफूड थाली का लुत्फ उठाया जा सकता है। यहां पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कुडाल और सिंधुदुर्ग हैं। यह स्थल गोवा एयरपोर्ट से कुछ ही घंटों के फासले पर है। *

शांत समुद्री किनारे वाला स्वराज द्वीप, अंडमान

स्वराज द्वीप (पुराना नाम-हेवलॉक द्वीप) आपको जीवंत ट्रॉपिकल द्वीप का अनुभव प्रदान करता है। यह अंडमान व निकोबार द्वीप समूह का हिस्सा है और अपने शानदार सी बीचेज के लिए विख्यात है। यहां गोताखोरी का आनंद खूब लिया जाता है। यहां जंगलों से भरे समुद्र के किनारे हैं और वातावरण बिल्कुल शांत रहता है। इस द्वीप का मुख्य आकर्षण राधानगर बीच है, जो अपने सफेद रेत के कारण एशिया के सबसे आकर्षक सी बीचेज में गिना जाता है। यहां डूबते हुए सूरज का नजारा देखने लायक होता है। पर्यटक यहां विभिन्न वाटर स्पोर्ट्स का भी मजा ले सकते हैं। यहां जाने का सबसे आसान रास्ता यह है कि पोर्ट ब्लेयर के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर फ्लाइट से उतरने के बाद स्वराज द्वीप के लिए फेरी ले ली जाए, जो डेढ़ से ढाई घंटे के बीच में आपको द्वीप पर पहुंचा देगी। *

मालदीव का एहसास कराता लक्षद्वीप

भारत में मालदीव से सबसे अधिक मिलती-जुलती जगह लक्षद्वीप है। छोटे-छोटे कोरल द्वीप, नीले रंग के शानदार शेड्स में छोटे-छोटे लगून और भीड़-भाड़ से दूर सफेद रेत के समुद्र तट। ये सब समानताएं एकदम मालदीव में होने का एहसास कराती हैं। अरब सागर में केरलम के तट पर फैला हुआ लक्षद्वीप 36 कोरल द्वीपों से बना हुआ है, हालांकि इनमें से कुछ द्वीप ही पर्यटकों के लिए खुले हुए हैं। अगत्ती, बंगाराम और थिन्नाकारा द्वीपों पर लोग अधिक जाना पसंद करते हैं, विशेषकर वे टूरिस्ट, जो शांत, एकांत में स्टे को प्राथमिकता देते हैं। यहां आप कोरल रीफ पर स्नोरकेलिंग, शांत लगूनों में कयाकिंग, स्कूबा डाइविंग के जरिए फिश के साथ गोता लगाते हुए या समुद्र के किनारे चहलकदमी करने का आनंद ले सकते हैं। लक्षद्वीप पहुंचने के लिए अगत्ती मुख्य प्रवेश द्वार माना जाता है क्योंकि द्वीपों के इस समूह में केवल यहीं पर एकमात्र एयरपोर्ट है। कोच्ची से यहां पहुंचने में लगभग 90 मिनट की हवाई यात्रा करनी होती है। *

पर्यटकों-योगप्रेमियों के लिए जन्नत के जैसा गोकर्ण, कर्नाटक

कर्नाटक में स्थित गोकर्ण, दिलकश तटीय आकर्षण से आध्यात्मिकता का मिलन कराता है। यहां महाबलेश्वर मंदिर साल भर भक्तों को आकर्षित करता है और शांत बीच जैसे ओम, कुड्ले व हाफ मून पर्यटकों और योग प्रेमियों के लिए जन्नत हैं। यहां आप चट्टानों के पास वाकिंग, बीचसाइड कैफे में खाने-पीने के साथ वाटर स्पोर्ट्स का आनंद ले सकते हैं। अरब सागर के किनारे रिलैक्स भी कर सकते हैं। गोकर्ण का ग्रामीण एहसास इसे और अनोखा बना देता है। *

बाली के सर्फ-टाउन जैसा नजारा वर्कला, केरलम

जो पर्यटक बाली की सर्फ-टाउन एनर्जी से आकर्षित होते हैं, उन्हें वर्कला में लगभग वही वातावरण मिलेगा। यह केरलम के दक्षिणी तट पर स्थित है। यह टाउन लाल चट्टानों के इर्द-गिर्द बसा हुआ है, जहां के होमस्टे से अरब सागर का नजारा मिलता है। उत्तरी चट्टान क्षेत्र, समय गुजारने के लिए सबसे अच्छी जगह है। यहां स्मूदी कैफे, सफर स्कूल, आयुर्वेदिक मसाज केंद्र और रूफटॉप स्पॉट्स हैं, जहां शाम गुजारते हुए आनंद आ जाता है जो रात तक जारी रहता है। सर्फिंग वर्कला की पहचान बन गई है। यहां आने वाले पर्यटक बाली की तरह ही सप्ताह भर का सर्फ व स्टे पैकेज लेते हैं। यहां तक पहुंचने के लिए करीबी रेलवे स्टेशन वर्कला सिवगीरी है। *

अनिश्चित परिस्थितियों में
ऐसे रहें आर्थिक रूप से सुरक्षित

अवेयरनेस
शिखर चंद जैन

हालांकि ईरान-अमेरिका में अभी युद्ध विराम चल रहा है, लेकिन अभी भी परिस्थितियां अनिश्चित बनी हुई हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में आर्थिक परिदृश्य क्या होगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। इसलिए समझदारी इसी में है अपनी आर्थिक योजनाएं समझदारी से बनाई जाएं। आपके लिए उपयोगी सलाह।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की हालिया रिपोर्टों और कई अर्थशास्त्रियों के अनुसार, मध्य-पूर्व में हुए युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है। अगर आने वाले दिनों में शांति बरकरार रहती है तो भी आर्थिक दशा पहले जैसी होने में कई महीने से लेकर कुछ साल लग सकते हैं। ऐसे में व्यक्तिगत आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय स्थिरता के लिए कुछ बातों पर ध्यान देना जरूरी है।

मुद्रास्फीति का प्रभाव: युद्ध और आपूर्ति श्रंखला में रुकावटों के कारण ऊर्जा, खाद्य और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी का रुख है। आमदनी का बड़ा हिस्सा खर्च होने से बचने के लिए बजट में कटौती और गैर-जरूरी खर्चों को रोकना जरूरी है।

इमरजेंसी फंड: आर्थिक मंदी या नौकरी के संकट के समय कम से कम 6 से 12 महीने का मासिक खर्च इमरजेंसी फंड में रखना चाहिए। इसे आसानी से निकाले जा सकने वाले साधनों या सेविंग एकाउंट में रखना बहुत उपयोगी होता है।

सुरक्षित निवेश: संकट के समय शेयर बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव आते हैं। जैसा पिछले तीन महीने तक लगातार चले युद्ध के दौरान हम सबने देश-दुनिया में देखा। ऐसे में वित्तीय सलाहकार गोल्ड या सॉवरेन बॉन्ड जैसे सुरक्षित और स्थिर निवेश विकल्पों को पोर्टफोलियो का हिस्सा बनाने की सलाह देते हैं।

लोन-ईएमआई का प्रबंधन: बढ़ती ब्याज दरों के कारण लोन की किस्तें बढ़ सकती हैं। इसलिए सबसे पहले महंगे कर्ज (जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का बकाया) को चुकाना चाहिए ताकि मासिक बोझ कम हो सके। इससे आप काफी राहत महसूस करेंगे।

स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग: वैश्विक तनाव के कारण विदेशों से आयातित सामानों की कीमत और उपलब्धता प्रभावित हो जाती है। साथ ही देश की मुद्रा भी प्रभावित होती है। इसलिए अपने दैनिक जीवन और व्यापार में स्थानीय उत्पादों का उपयोग बढ़ाना सुरक्षित रहता है। इसलिए देश में बनने वाली चीजें ही खरीदें।

आय के नए स्रोत अपनाएं: नौकरी जाने से होने वाले संकट से बचने के लिए स्किल्स को अपग्रेड करते रहें और फ्रीलांसिंग, निवेश या ऑनलाइन माध्यमों से आय के अतिरिक्त स्रोत बनाने पर ध्यान दें, ताकि आय का एक स्रोत बाधित हो तो दूसरे का सहारा मिले।

महंगी देनदारियों से छुटकारा पाएं: हाई इंट्रेस्ट वाले लोन, जैसे क्रेडिट कार्ड का बकाया या पर्सनल लोन में आपकी मेहनत की कमाई का एक बड़ा भाग खर्च होता है और आपकी बचत कमजोर होती है। ऐसे में आप इन उच्च ब्याज वाले कर्ज का भुगतान जल्द से जल्द करें। इससे जो पैसा आप ब्याज बचाने में लगाते हैं, उसे रिटायरमेंट फंड में निवेश किया जा सकता है।

पर्याप्त बीमा कवर करें: अचानक कोई बीमारी या दुर्घटना होने पर किसी पर भी भारी आर्थिक बोझ पड़ जाता है। इससे राहत के लिए टर्म लाइफ इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसीज जरूर लेना चाहिए।

समय के साथ रिटायरमेंट फंड बढ़ाएं: महंगाई दर समय के साथ पैसे के मूल्य को कम करती है। आपकी लाइफस्टाइल और खर्च रिटायरमेंट के समय तक बढ़ जाएंगे। इसलिए अपनी रिटायरमेंट योजना की नियमित रूप से समीक्षा करें (कम से कम सालाना)। जैसे-जैसे आपकी इनकम बढ़ती है (वेतन वृद्धि, बोनस), अपने मंथली रिटायरमेंट इन्वेस्टमेंट फंड को भी बढ़ाएं।

कहने का सार है कि इस दौर में सही इंवेस्टमेंट, सेविंग्स और बजट से ना केवल आपको फाइनेंसियल सिक्योरिटी मिलेगी, बल्कि फ्यूचर की कई परेशानियों से भी बचा जा सकता है। *

(वित्तीय सलाहकार प्रदीप अग्रवाल और चार्टर्ड एकाउंटेंट शुभम तोदी से बातचीत पर आधारित)

प्रकृति / अंजू जैन

देश-दुनिया में अनेक ऐसी नदियां हैं, जो अपनी विविध उपयोगिताओं के साथ-साथ अपने अद्भुत सौंदर्य के लिए भी जानी जाती हैं। विश्व की कुछ सबसे खूबसूरत नदियों के बारे में जानिए।

दुनिया की सबसे खूबसूरत नदियां

नदियां इस धरती पर मानव सभ्यता के विकास का केंद्र रही हैं। इसके अलावा यातायात का अनूठा मार्ग होने के साथ ही ये किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। इसके अलावा कई शहरों में पेय जल की आपूर्ति और सिंचाई के लिए भी नदियों का उपयोग सदियों से होता आ रहा है। इन खूबियों के अलावा देश-दुनिया भर में कई नदियां अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और अद्भुत पारिस्थितिकी के लिए भी जानी जाती हैं।

कानो क्रिस्टेलस कोलंबिया: कोलंबिया के मेटा प्रांत में सेरानिया-डे ला मैकेरेना नेशनल पार्क में स्थित यह नदी बेहद खूबसूरत और जादुई लगती है। यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और रंग बदलने की क्षमता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। कानो क्रिस्टेलस की यात्रा आपको प्रकृति के बिल्कुल करीब ले जाती है और यह ईको-टूरिज्म का एक बेहतरीन उदाहरण है। इसे पांच रंगों की नदी भी कहा जाता है। पानी का रंग बदलने का मुख्य कारण नदी में मौजूद मैक्रेनिया क्लेविगेरा नामक शैवाल हैं। बारिश के मौसम में जब इनको सही धूप और पानी मिलता है, तो ये चमकीले लाल और अन्य रंगों में खिल जाते हैं। इन्हीं के कारण पानी के नीचे लाल, पीला, हरा, नीला और काला रंग दिखाई देता है। इसीलिए कानो क्रिस्टेलस नदी को लिक्विड रेनबो यानी तरल इंद्रधनुष भी कहते हैं। यह अद्भुत नजारा मुख्य रूप से जुलाई से नवंबर के बीच (वर्षा ऋतु के दौरान) दिखाई देता है।

ली नदी, चीन: चीन की 'ली' नदी के आस-पास स्थित नुकीले चूना पत्थर के पहाड़ इसे किसी पारंपरिक चीनी पेंटिंग जैसा दृश्य प्रदान करते हैं। गुइलिन से यांग्शुओ तक बहने वाली यह नदी चूना पत्थर के ऊंचे पहाड़ों के बीच से गुजरती है। यह दृश्य इतना आइकॉनिक है कि इसे चीन के 20 युआन के नोट पर भी दर्शाया गया है। सदियों से इस नदी ने चीनी चित्रकारों और कवियों को प्रेरित किया है।

सोका नदी स्लोवेनिया: यह नदी अपनी शुद्धता और पन्ना जैसे हरे रंग के कारण प्रसिद्ध है। इसे प्यार से 'पन्ना ब्यूटी' कहा जाता है। यह नदी आल्प्स पर्वतमाला से निकलती है और अपनी पूरी लंबाई के दौरान अपना जादुई रंग बरकरार रखती है, जो कि बहुत दुर्लभ है। जुगैलियन आल्प्स से बहने वाली यह नदी अत्यधिक साफ-सुथरी होने के लिए भी जानी जाती है।

फुटालेउफू नदी अर्जेंटीना/चिली: फुटालेउफू नदी अर्जेंटीना और चिली के उत्तरी पेटागोनिया क्षेत्र में स्थित एक बेहद शानदार और प्राकृतिक रूप से समृद्ध नदी है। पेटागोनिया के पहाड़ों से निकलने वाली यह नदी अपने आश्चर्यजनक रूप से साफ, फिरोजी नीले पानी और शानदार राफ्टिंग रूट्स के लिए जानी जाती है। यह अपनी बेमिसाल सुंदरता, उग्र जलधाराओं और विश्व-स्तरीय साहसिक खेलों के केंद्र के रूप में दुनियाभर में मशहूर है। मापुचे भाषा में 'फुटालेउफू' का अर्थ 'बड़ी नदी' होता है। स्थानीय लोग इस घाटी को 'उन पैसजे पिंटाडो पोर डियोस' अर्थात ईश्वर द्वारा चित्रित परिदृश्य कहते हैं। इस नदी का उद्गम, अर्जेंटीना के यूनेस्को संरक्षित लॉस एलेर्सेस राष्ट्रीय उद्यान के हिमनदों की पिघली हुई बर्फ से होता है। यह नदी अर्जेंटीना और चिली देश की सीमा को पार करती है। यह चिली के बेहद खूबसूरत लॉस लागोस क्षेत्र से बहते हुए अंततः प्रशांत महासागर में जाकर गिरती है। फुटालेउफू नदी दुनिया के बेहतरीन व्हाइटवॉटर कयाकिंग और राफ्टिंग स्थलों में से एक है। इसके तीव्र बहाव, क्रिस्टल-क्लियर नीले पानी और विशाल घाटी के बीच राफ्टिंग करने का अनुभव रोमांच प्रेमियों के लिए खास है। *

अत्यंत स्वच्छ-सुंदर नदी उमंगोट

अपने देश के मेघालय की दावकी नदी के नाम से मशहूर उमंगोट नदी दुनिया की सबसे साफ नदियों में से एक है। इसका पानी इतना पारदर्शी है कि इसमें चलने वाली नाव हवा में तैरती हुई सी प्रतीत होती है। यह नदी अपनी असाधारण पारदर्शिता के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। इसका पानी इतना साफ है कि नदी तल के पत्थर और मछलियां 8 मीटर की गहराई तक स्पष्ट दिखाई देते हैं। यह नदी भारत और बांग्लादेश के बीच एक प्राकृतिक सीमा बनाती है। स्थानीय समुदायों द्वारा इसकी स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है।

आगामी 3 जुलाई को रिलीज होने वाली यशराज बैनर की फिल्म 'अल्फा' में आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह जबर्दस्त एक्शन करती दिखेंगी। यह फिल्म उन्होंने क्यों एक्सेप्ट की? अनिल कपूर और बॉबी देओल के साथ एक्टिंग करने के कैसे एक्सपीरियंस रहे? इस फिल्म के साथ प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ से जुड़े सवाल आलिया भट्ट से।

एक्शन-रोमांच से भरपूर 'अल्फा' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा: आलिया भट्ट

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार आलिया भट्ट इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'अल्फा' को लेकर चर्चा में हैं। आलिया अपनी इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में आलिया भट्ट ने फिल्म 'अल्फा' में काम करने के अनुभव के साथ-साथ अपनी प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ को लेकर खास बातचीत की। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

अपनी आगामी फिल्म 'अल्फा' को लेकर आप इन दिनों बहुत उत्साहित हैं। इस फिल्म में काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा ?

'अल्फा' की शूटिंग करते हुए मैंने बहुत अच्छा समय बिताया। यह किसी फिल्म के सेट पर मेरे सबसे मजेदार और यादगार अनुभवों में से एक रहा। यशराज के स्पाई यूनिवर्स बैनर के एक्शन-रोमांच से भरे इस भव्य प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा। इस फिल्म को करते वक्त मैंने उन चैलेंजेज को फेस किया, जिनका मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था। मैं इस एक्शन एंटरटेनर फिल्म के सेट पर जाने के लिए हमेशा उत्साहित रहती थी। मैंने इसका हर मिनट पूरी तरह से एंज्वॉय किया।

'अल्फा' के एक सीन में शरवरी वाघ के साथ आलिया भट्ट

इस फिल्म को साइन करते वक्त फिल्म की कौन-सी बात ने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया ?

वैसे तो इस फिल्म में बहुत सारी बाते हैं, जिसने मुझे फिल्म करने के लिए इंस्पायर किया, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा यह बात पसंद आई कि इस फिल्म के केंद्र में दो महिलाएं हैं, जो पूरी एक्शन स्टोरी को आगे बढ़ा रही हैं। बॉलीवुड फिल्मों में ऐसा हमें बहुत कम देखने को मिलता है। 'अल्फा' एक एटीट्यूड का जश्न है।

इस फिल्म में आप के साथ शरवरी वाघ, अनिल कपूर और बॉबी देओल भी हैं, इन सभी के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा ?

'अल्फा' फिल्म में काम करने के अनुभव को और भी खास बनाने वाली बात यह थी कि मुझे इतने शानदार लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। चाहे फिल्म के निर्देशक शिव रवैल हों, हमारे को-एक्टर्स शरवरी, अनिल कपूर और बॉबी देओल हों या एक्शन टीम और पर्दे के पीछे काम करने वाला पूरा क्रू ही क्यों ना हो, इस फिल्म को लेकर सभी के भीतर जबरदस्त उत्साह था। वो एनर्जी, वो वाइब दर्शकों को पर्दे पर भी दिखाई देगी।

'अल्फा' फिल्म के लिए भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने आप को स्पेशल ट्रेनिंग दी है, इस बारे में कुछ बताएंगी ?

हां, भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने इस फिल्म के लिए मुझे बहुत अच्छी ट्रेनिंग दी है। मैंने उनसे जिंदगी जीने का असली फलसफा भी सीखा है कि जिंदगी में कभी हार नहीं माननी चाहिए, हमेशा हौसले बुलंद रखने चाहिए।

'अल्फा' के अलावा आप और कौन-कौन सी फिल्में कर रही हैं ?

संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' कर रही हूं। इसके अलावा 'चामुंडा', 'जी ले जरा' जैसी कुछ फिल्में लाइनअप हैं।

आपके पसंदीदा डायरेक्टर्स कौन हैं, जिनके साथ आप काम करने की इच्छा रखती हैं ?

मैं राजकुमार हिरानी, अयान मुखर्जी और जोया अख्तर के साथ फिल्म करने की इच्छा रखती हूं। ये सभी मेरे पसंदीदा डायरेक्टर्स हैं।

आपके कोई तीन सीक्रेट्स या कमजोरी, जो आप अपने फैंस के साथ शेयर करना चाहेंगी ?

(हंसते हुए) मुझे अंधेरे से डर लगता है, मुझे जोर से डकार लेने की आदत है और मैं इमोशनल सॉन्ग्स सुनकर कई बार रो पड़ती हूं। इन्हें आप मेरी वीकनेस मान सकती हैं। *

सब मैनेज करना पड़ता है

आलिया सक्सेसफुल एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक अच्छी वाइफ और मां भी हैं। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच बैलेंस बनाना, उनके लिए कितना आसान या मुश्किल होता है? यह पूछे जाने पर आलिया कहती हैं, 'आसान तो कुछ भी नहीं होता, सब मैनेज करना पड़ता है। लेकिन मैं यह भी कहना चाहूंगी कि अगर आपको घर वालों का सपोर्ट मिले तो कई सारी मुश्किलें आसान हो जाती हैं। मुझे अपनी फैमिली का प्यार और सपोर्ट किसी न किसी रूप में मिलता रहता है। फिर चाहे मेरे पति रणबीर हों, बेटी राहा हो या सास नीतू सिंह क्यों ना हों। सासू मां और राहा तो मेरी जान हैं। स्पेशली सासू मां से मैंने सीखा कि जिंदगी में चाहे कितने ही उतार-चढ़ाव आ जाएं, हार नहीं माननी चाहिए और हमेशा पॉजिटिव सोच रखनी चाहिए। राहा से मैंने हमेशा खुश रहना सीखा है। जहां तक मेरे पति रणबीर की बात है तो वह मेरी जिंदगी का वो खूबसूरत एहसास हैं, जिनकी मैं शुरू से फैन थी। जहां वो पर्सनल लाइफ में शांत पति हैं, वहीं एक जिम्मेदार पिता भी हैं। हमारी बेटी राहा में तो उनकी जैसे जान ही बसती है।